बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

(कक्षा 10)

सामाजिक विज्ञान

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

संयोजक कार्यालय – संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

संगीता मानवी

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉर्डिनेटर, शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्ता टीम : सामाजिक विज्ञान

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन - 100

मालीराम जाट

रा.उ.मा.वि. रामजीपुरा,
(सीकर)

टीना खैरवा

रा.उ.मा.वि. बनाथला,
(सीकर)

मंजू कुमारी नेहरा

रा.उ.मा.वि. रेटा,
(सीकर)

विक्रम सिंह हरितवाल

रा.उमा.वि. मण्ढा– मदनी,
(सीकर)

अजय शर्मा

रा.उमा.वि. ढाणी – कुम्हारान,
(बिदासर)

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

प्रश्न—पत्र की योजना 2025—2026

कक्षा — 10th
विषय — सामाजिक विज्ञान
अवधि — 3 घंटे 15 मिनट पूर्णांक — 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार —

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	25	31.25
2.	अवबोध	21	26.25
3.	ज्ञानोपयोग	15	18.75
4.	कौशल	10	12.50
5.	विश्लेषण	09	11.25
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार वार अंकभार —

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	18	1	18	22.5	33.96	24
2.	रिक्त स्थान	06	1	06	7.5	11.32	06
3.	अतिलघुत्तरात्मक	12	1	12	15.0	22.64	24
4.	लघुत्तरात्मक	10	2	20	25.0	18.87	50
5.	दीर्घउत्तरीय	04	3	12	15.0	07.55	40
6.	निबंधात्मक	03	4	12	15.0	05.66	51
	योग	53		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार —

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	4	5
2.	भारत में राष्ट्रवाद	4	5
3.	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	4	5
4.	औद्योगीकरण का युग	4	5
5.	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	4	5
6.	संसाधन एवं विकास	3	3.75
7.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	2	2.5
8.	जल संसाधन	3	3.75
9.	कृषि	3	3.75
10.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	4	5
11.	विनिर्माण उद्योग	2	2.5
12.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं	3	3.75
13.	सत्ता की साझेदारी	4	5
14.	सघवाद	4	5
15.	जाति धर्म और लैगिक मसले	4	5
16.	राजनीतिक, दल	5	6.25
17.	लोकतंत्र के परिणाम	3	3.75
18.	विकास	3	3.75
19	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	5	6.25
20	मुद्रा और साख	5	6.25
21	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	5	6.25
22	उपभोक्ता अधिकार	2	2.5
कुल योग		80	100

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट 2025–2026

कक्षा – 10th   विषय :– सामाजिक विज्ञान   समय : 3:15 घंटे   पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	1(1)							1(1)																				2(1)			4(3)
2.	भारत में राष्ट्रवाद												4(1)*																			4(1)
3.	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	1(1)						1(1)															2(1)									4(3)
4.	औद्योगीकरण का युग	1(1)																3(1)*														4(2)
5.	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	1(1)		2(2)												1(1)																4(4)
6.	संसाधन एवं विकास							1(1)			2(1)																					3(2)
7.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	1(1)								1(1)																						2(2)
8.	जल संसाधन																	3(1)*														3(1)
9.	कृषि		1(1)																										2(1)			3(2)
10.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन																								4(1)*							4(1)
11.	विनिर्माण उद्योग	1(1)		1(1)																												2(2)
12.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं		1(1)					1(1)		1(1)																						3(3)
13.	सत्ता की साझेदारी	1(1)			2(1)					1(1)																						4(3)
14.	संघवाद							1(1)																						3(1)*		4(2)
15.	जाति धर्म और लैंगिक मसले			1(1)				1(1)															2(1)									4(3)
16.	राजनीतिक, दल	1(1)																	4(1)*													5(2)
17.	लोकतंत्र के परिणाम	1(1)							1(1)	1(1)																						3(3)
18.	विकास				2(1)									1(1)																		3(2)
19.	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक		1(1)																				2(1)						2(1)			5(3)
20.	मुद्रा और साख	1(1)								1(1)								3(1)*														5(3)
21.	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था		1(1)	1(1)				1(1)			2(1)																					5(4)
22.	उपभोक्ता अधिकार	1(1)		1(1)																												2(2)
	योग	11(11)	4(4)	6(6)	4(2)			6(6)	2(2)	5(5)	4(2)		4(1)	1(1)		1(1)		9(3)	4(1)				6(3)		4(1)				6(3)	3(1)		80(53)
	सर्वयोग	25(23)						21(16)						15(6)						10(4)						9(4)						80(53)

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है   नोट:– कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

विशेष :- उक्त ब्ल्यू प्रिन्ट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों को समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल प्रश्न पत्र का ब्ल्यू प्रिन्ट भिन्न हो सकता है

BSER

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट PDF डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, रिक्तस्थान - 1, अंक -1,लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. **जर्मनी में राष्ट्र राज्य के निर्माण की प्रक्रिया का जनक कौन था?**

(अ) विलियम चतुर्थ (ब) विलियम प्रथम

(स) ऑटो वॉन बिस्मार्क (द) विलियम द्वितीय (स)

2. **जर्मेनिया किस राष्ट्र का रूपक बन गई थी?**

(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस

(स) रूस (द) जर्मनी (द)

3. **उगते सूर्य की किरने किसका प्रतीक है?**

(अ) आजादी मिलना (ब) बहादुरी

(स) शांति (द)एक नए युग का (द)

4. **ज्यूसेपे मेत्सिनी था?**

(अ) फ्रांस का क्रांतिकारी (ब) इटली का क्रांतिकारी

(स) ब्रिटेन का क्रांतिकारी (द) इनमें से कोई नहीं

(ब)

5. **जर्मनी को एक स्वतंत्र राज्य घोषित किया गया था?**

(अ) 1817 में (ब) 1848 में

(स) 1871 में (स) 1885 में (स)

रिक्तस्थानों की पूर्ति करे-

1. **वियना सम्मेलन की मेजबानी आस्ट्रिया के चान्सलर .... ने की थी।**

उत्तर- ड्यूक मेटर्निख

2. **फ्रांस में ...... को राष्ट्र के नारी रूपक के रूप में चित्रित किया गया है।**

उत्तर- मारिआन

3. **इटली के क्रांतिकारियों का एक गुप्त संगठन था।**

उत्तर- कार्बोनेरी

4. **............प्रसा का प्रमुख मंत्री था।**

उत्तर- ऑटो वॉन बिस्मार्क

5. **सन .... में यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ।**

उत्तर- सन् 1707

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. **'जॉलवेराइन' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-**

उत्तर- 1834 ई. में प्रशा की पहल पर 'जॉलवेराइन' नामक एक शुल्क संघ की स्थापना हुई थी जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य शामिल हो गए थे। इस संघ ने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया और मुद्राओं की संख्या दो कर दी जो उससे पहले तीस से ऊपर थी। इससे आर्थिक दृष्टि से समस्त जर्मनी एक हो गया।

2. ग्रिम बन्धु कौन थे? उन्होंने जर्मन राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में क्या योगदान दिया?

उत्तर- ग्रिम बन्धु (जैकब ग्रिम और विल्हेल्म ग्रिम) जर्मनी के निवासी थे। उन्होंने अनेक पुरानी लोककथाएं इकट्ठी की, उनका विश्वास था कि उन्होंने जो लोककथाएं इकट्ठी कीं, वे बच्चों और बड़ों में समान रूप से पसंद की जाती थीं. बाद में दोनों भाई उदारवादी राजनीति में सक्रिय हो गए।

3. **वियना संधि के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।**

उत्तर- **1815 ई. की वियना संधि के प्रमुख उद्देश्य-**

1. उन सभी बदलावों को खत्म करना जो नेपोलियाई युद्धों के दौरान हु थे।

2. भविष्य में फ्रांस की सीमाओं के विस्तार को रोकना।

3. नेपोलियन द्वारा बर्खास्त किये गए राजतंत्रों की बहाली करना।

4. यूरोप में एक नयी रूढ़िवादी व्यवस्था कायम करना।

शेखावाटी मिशन - 100

4. रूढ़िवाद क्या है?

उत्तर - रूढ़िवाद एक ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परम्परा, स्थापित संस्थानों और रिवाजों पर जोर देता है और तेज बदलावों की बजाय क्रमिक और धीरे-धीरे विकास को प्राथमिकता देता है, रूढ़िवाद कहलाता है।

5. इटली के एकीकरण का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- 1. मेत्सिनी ने 1831 में श्यंग इटलीश और 1833 में यंग यूरोप नामक क्रान्तिकारी संस्थाओं की स्थापना कर इनके माध्यम से इटलीवासियों में राष्ट्रीयता, देश-भक्ति, त्याग तथा बलिदान की भावनाएँ उत्पन्न कीं ।

2.कावूर ने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया। 1859 में सार्डीनिया-पीडमांट ने फ्रांस की सैनिक सहायता प्राप्त कर आस्ट्रिया की सेनाओं को पराजित किया इसके फलस्वरूप लोम्बार्डी को सार्डीनिया-पीडमांट में मिला लिया था।

❖❖❖

शेखावाटी मिशन -

अध्याय - 2 भारत में राष्ट्रवाद

कुल अंक-04 (निबंधात्मक प्रश्न -1, अंक -4)

प्रश्न 1. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का सविस्तार वर्णन कीजिए।

या

नमक आन्दोलन का वर्णन कीजिए अथवा सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन कीजिए।

उत्तर- सविनय अवज्ञा आन्दोलन

सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत किया गया-

1. दांडी यात्रा - सविनय अवज्ञा आन्दोलन गांधीजी की दांडी यात्रा से शुरू हुआ। मार्च, 1930 में गांधीजी ने अपने 78 विश्वस्त कार्यकर्ताओं के साथ साबरमती आश्रम से दांडी नामक स्थान की ओर प्रस्थान किया। उन्होंने 240 किलोमीटर की यह यात्रा पैदल चलकर 24 दिन में तय की। 6 अप्रैल को गांधीजी दांडी पहुंचे और उन्होंने समुद्र का पानी उबाल कर नमक बनाना शुरू कर दिया। इस प्रकार उन्होंने नमक कानून का उल्लंघन किया।

2. सविनय अवज्ञा आन्दोलन की प्रगति शीघ्र ही सविनय अवज्ञा आन्दोलन सम्पूर्ण देश में फैल गया। अनेक स्थानों पर लोगों ने नमक कानून तोड़ा और सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन किये। विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया तथा शराब की दुकानों पर धरना दिया गया। किसानों ने लगान और चौकीदारी कर चुकाने से इन्कार कर दिया। गांवों में नियुक्त सरकारी कर्मचारियों ने त्याग पत्र दे दिए। जंगलों में रहने वाले लोगों ने वन-कानूनों का उल्लंघन करते हुए आरक्षित वनों में लकड़ी बीनना तथा पशुओं को चराना शुरू कर दिया।

3. गांधी-इरविन समझौता- 5 मार्च, 1931 को गांधीजी तथा वायसराय लार्ड इरविन के बीच एक समझौता हो गया जिसे गांधी-इरविन समझौता कहते हैं। इस समझौते के अनुसार गांधीजी लंदन में होने वाले द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए सहमत हो गए। इसके बदले में सरकार ने राजनीतिक बंदियों को रिहा करना स्वीकार कर लिया।

प्रश्न 2. भारत छोड़ो आन्दोलन का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन के बारे में आप क्या जानते हैं? बतलाइये।

उत्तर- **भारत छोड़ो आन्दोलन-** भारत में क्रिप्स मिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों से व्यापक असंतोष फैला। इसके फलस्वरूप गाँधीजी ने एक आंदोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों को पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया। इस भारत छोड़ो आन्दोलन की प्रमुख बातें निम्न प्रकार हैं-

1. वर्धा में 14 जुलाई, 1942 को अपनी कार्यकारिणी में कांग्रेस कार्य समिति ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सत्ता का भारतीयों को तत्काल हस्तांतरण एवं भारत छोड़ने की माँग की गई।

2. 8 अगस्त, 1942 को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिससे पूरे देश में व्यापक पैमाने पर एक अंहिसक जन संघर्ष का आहवान किया गया।

3. इसी अवसर पर गाँधीजी ने प्रसिद्ध करो या मरो भाषण दिया था।

4. भारत छोड़ो के इस आहवान ने देश के अधिकतर हिस्सों में राज्य व्यवस्था को ठप्प कर दिया, लोग स्वत: ही आंदोलन में कूद पड़े ।

5. लोगों ने हड़तालें कीं और राष्ट्रीय गीतों एवं नारों के साथ प्रदर्शन किए एवं जुलूस निकाले। यह आंदोलन वास्तव में एक जन आन्दोलन था जिसमें छात्र, मजदूर और किसान जैसे हजारों साधारण लोगों ने हिस्सा लिया।

6. इसमें नेताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई जिनमें जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली एवं राम मनोहर लोहिया और बहुत सारी महिलाएँ जैसे- बंगाल से मातांगिनी हाजरा, असम से कनकलता, बरुआ और उड़ीसा से रमा देवी थीं।

शेखावाटी मिशन - 100

7. आंदोलनों को कुचलने हेतु अंग्रेजों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग किया गया। इसके बावजूद इसे दबाने में एक वर्ष से अधिक समय लग गया।

प्रश्न 3. असहयोग आन्दोलन के प्रारम्भ होने के पीछे कौन-कौनसी परिस्थितियाँ जिम्मेदार थीं?

अथवा

असहयोग आन्दोलन के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर- जनवरी, 1921 में गाँधीजी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ। इस आन्दोलन के निम्नलिखित कारण थे-

1. करों में वृद्धि - प्रथम विश्व युद्ध के कारण रक्षा व्यय की पूर्ति के लिए ब्रिटिश सरकार ने करों में वृद्धि की, सीमा शुल्क भी बढ़ा दिया और आयकर नामक कर शुरू किया गया। इससे भारतीयों में तीव्र आक्रोश उत्पन्न हुआ।

2. मूल्यों में वृद्धि- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मूल्यों में अत्यधिक वृद्धि हुई। जिसके फलस्वरूप जन-साधारण का जीवन-निर्वाह करना बहुत कठिन हो गया था।

3. गाँवों में सैनिकों की जबरन भर्ती-प्रथम विश्व युद्ध के दौरान गाँवों में सैनिकों को जबरदस्ती भर्ती किया गया जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में तीव्र आक्रोश व्याप्त था।

4. गाँधीजी को निराशा - प्रथम विश्व युद्ध में गाँधीजी ने अंग्रेजों को आर्थिक और सैनिक सहायता इस आशा से की थी कि ब्रिटिश सरकार भारतीयों को स्वराज प्रदान करेगी। परन्तु युद्ध की समाप्ति के बाद ब्रिटिश सरकार की ओर से स्वराज प्रदान किए जाने के बारे में कोई कदम नहीं उठाया गया।

5. रॉलेट एक्ट- 1919 में ब्रिटिश सरकार ने रॉलेट एक्ट पारित कर दिया। इस अन्यायपूर्ण कानून से भारतीयों में तीव्र आक्रोश उत्पन्न हुआ।

6.जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड-अमृतसर में जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड ने असहयोग आन्दोलन को जनआन्दोलन में बदल दिया।

7. सरकार की दमनकारी नीति- जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के बाद ब्रिटिश सरकार ने दमनकारी नीति अपनाई और पंजाब के लोगों पर भीषण अत्याचार किये।

8. खिलाफत आन्दोलन - गाँधीजी के खिलाफत आन्दोलन को समर्थन किया। खिलाफत आन्दोलन से असहयोग आन्दोलन को बढ़ावा मिला।

शेखावाटी मिशन - 100

❖❖❖

अध्याय - 3

भूमण्डलीयकृत विश्व का बनना

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-2, अंक -2, लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. **1885 में यूरोप के ताकतवर देशों ने किस महाद्वीप को नक्से पर लकीर खींच कर आपस मे बाँट लिया था ?**
(अ) एशिया (ब) आफ्रिका
(स) यूरोप (द) अंटार्कटिका (ब)

2. **आर्थिक मंदी का सबसे बुरा असर किस पर पड़ा ?**
(अ) जापान (ब) फ्रांस
(स) अमेरिका (द) ब्रिटेन पर (स)

3. **भारत से विदेश ले जाए जाने वाले अनुबंधित मजदूर क्या कहलाते थे?**
(अ) दास (ब) फटफटिया
(स) गिरमिटिया (द) उपनिवेसिक मजदूर (स)

4. **जी 77 (समूह 77) मे कौनसे देश संगठित है ?**
(अ) विकाशशील (ब) विकसित
(स) उच्च विकसित (द) अति पिछड़े (अ)

5. **ब्रेटन वुड सम्मेलन में किस संस्था की स्थापना की गई ?**
(अ) युनिसेफ (ब) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोश
(स) डबल्यूटीओ (अ) यूनेस्को (ब)

6. **19वि.सदी मे विश्वव्यापर में चीन की घटती भूमिका और अमेरिका के बढ़ते प्रभाव के करण विश्वव्यापार का केंद्र बना-**
(अ) एशिया (ब) अफ्रीका
(स) यूरोप (द) ऑस्ट्रेलिया (स)

7. **विश्व बैंक और आइ एम एफ ने औपचारिक रूप से काम करना कब शुरू किया ?**
(अ) 1944 मे (ब) 1945 मे
(स) 1946 में (द) 1947 में (द)

8. **निम्न मे से द्वितीय विश्व युद्ध मे शामिल होने वाली धुरी शक्ति नहीं थी?**
(अ) जर्मनी (ब) जापान
(स) इटली (द) रूस (द)

9. **निम्न मे से प्रथम विश्व युद्ध मे धुरी राष्ट्र मे शामिल नहीं था?**
(अ) जर्मनी (ब) ऑस्ट्रिया हंगरी
(स) ऑटोमन (द) फ्रांस (द)

10. **विश्व व्यापी आर्थिकमंदी की शुरुवात कब हुई ?**
(अ) 1919 (ब) 1929
(स) 1935 (द) 1933 (ब)

लघुतरात्मक प्रश्न-

1. **रेशम मार्ग से किन-किन वस्तुओं का व्यापार होता था?**

उत्तर- रेशम मार्ग से अनेक वस्तुओं का व्यापार होता था। इस मार्ग से चीनी रेशम तथा पोटरीय भारत व दक्षिण-पूर्व एशिया से कपड़े तथा मसाले विश्व के दूसरे भागों में पहुँचते थे। वापसी में सोना चाँदी जैसी बहुमूल्य धातुएँ इसी मार्ग से यूरोप से एशिया पहुँचती थीं। रेशम मार्ग द्वारा व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होता था।

2. **कॉर्न लॉ क्या था? उसे क्यों समाप्त किया गया? उसकी सम्पत्ति के क्या परिणाम हुए?**

उत्तर- कॉर्न लॉ-18वीं सदी में बड़े भूस्वामियों के दबाव में ब्रिटिश सरकार ने मक्का के आयात पर भी पाबंदी लगा दी थी। जिन कानूनों के सहारे सरकार ने यह पाबंदी लागू की थी, उन्हें कॉर्न लॉ कहा जाता था।18वीं सदी के आखिरी दशक में खाद्य पदार्थो की ऊँची कीमतों से परेशान उद्योगपतियों और शहरी वाशिंदों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि वह कॉर्न लॉ को फौरन समाप्त कर दे और ब्रिटिश सरकार ने उसे समाप्त कर

शेखावाटी मिशन - 100

दिया। कॉर्न लॉ के समाप्त होने पर खाद्य पदार्थ की कीमतों में कमी आ गई तथा ब्रिटेन की खाद्य समस्या दूर हो गई।

3. रिंडरपेस्ट का 1890 के दशक में अफ्रीका के लोगों की आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभावों का वर्णन कीजिए। अथवा रिडरपेस्ट बीमारी के अफ्रीका पर क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर- 1. 1890 के दशक में अफ्रीका में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी फैल गई। मवेशियों में प्लेग की भाँति फैलने वाली इस बीमारी से लोगों की आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर घातक प्रभाव पड़ा।

2. इस बीमारी से अफ्रीका के 90 प्रतिशत पशु मर गए ।

2. पशुओं के मर जाने से अफ्रीकी लोगों के रोजी-रोटी के साध ान समाप्त हो गए। इसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण अफ्रीका ध ीरे-धीरे यूरोपीय उपनिवेशकारों का गुलाम हो गया।

4 प्रथम विश्व युद्ध किन दो खेमों के बीच लड़ा गया था ? इन खेमों में कौन-कौनसे देश शामिल थे? यह युद्ध कितने वर्षों तक चला?

उत्तर- 1. प्रथम विश्व युद्ध दो खेमों (1) मित्र राष्ट्र एवं (2) केन्द्रीय शक्तियों के बीच लड़ा गया था।

2. मित्र राष्ट्र में ब्रिटेन, फ्रांस और रूस तथा केन्द्रीय शक्तियों में जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी तथा ऑटोमन तुर्की शामिल थे।

3. यह युद्ध 1914 में शुरू हुआ था और चार साल से भी ज्यादा समय तक चला।

5. विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के भारत पर क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर - विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के भारत पर प्रभाव -

1. 1925 से 1934 के बीच भारत के आयात-निर्यात घट कर लगभग आधे रह गए।

2. भारत में गेहूँ की कीमत 50 प्रतिशत गिर गई।

3. कच्चे पटसन की कीमतों में भारी गिरावट से किसानों की दशा दयनीय हो गई। वे कर्ज में डूब गए और उनके लिए जीवन-निर्वाह करना भी कठिन हो गया।

6. आयात शुल्क क्या है ?

उत्तर- आयात शुल्क किसी दूसरे देश से आने वाली चीजों पर वसूल किया जाने वाला शुल्क, आयात शुल्क कहलाता है। यह शुल्क, या कर उस जगह लिया जाता है जहाँ से वह चीज देश में आती है यानी सीमा पर, बंदरगाह या हवाई पर।

प्रश्न 7. सिल्क रूट क्या है? इसका महत्त्व बताइए-

अथवा

रेशम मार्ग के द्वारा होने वाले आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान का वर्णन कीजिए ।

उत्तर- सिल्क रूट (रेशम मार्ग)-जमीन या समुद्र से होकर गुजरने वाले सिल्क रूट एशिया के विशाल क्षेत्रों (चीन, भारत) तथा एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले व्यापारिक और सांस्कृतिक मार्ग थे। इनसे चीनी रेशम का व्यापार किया जाता था।

रेशम मार्ग का महत्त्व/ आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान- रेशम मार्ग से पश्चिम को भेजे जाने वाले चीनी रेशम का बड़ा महत्व था। यथा-यथा (1) रेशम मार्ग भूमि या समुद्र से होकर गुजरने वाले मार्ग थे जो एशिया के विशाल क्षेत्रों या एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ते थे (2) रेशम मार्ग से चीनी रेशम तथा पोटरी तथा भारत व दक्षिण-पूर्व एशिया के कपड़े व मसाले विश्व के दूसरे भागों में पहुँचते थे।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 4

औद्योगिकरण का युग

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -3)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. **स्पिनिंग जेनी का आविष्कार किसने किया?**
(अ) स्टीफेन्सन (ब) जेम्स हारग्रीव्ज
(स) जान के (द) आर्कराइट (ब)

2. **भारत में सन् 1854 में पहली कपड़ा मिल कहां स्थापित हुई थी ?**
(अ) सूरत (ब) कलकत्ता
(स) मुम्बई (द) अहमदाबाद (स)

3. **बंगाल में पहली जूट मिल स्थापित हुई-**
(अ) 1854 में (ब) 1865 में
(स) 1815 में (द) 1855 में (द)

4. **दो जादूगर चित्र में अलादीन किसका प्रतीक है?**
(अ) दक्षिण और रूढ़िवादिता का
(ब) उत्तर और तर्कवाद का
(स) पश्चिम और आधुनिकता का
(द) पूरब और अतीत का (द)

5. **1917 में कलकत्ता में देश की पहली जूट मिल लगाने वाले व्यवसायी थे-**
(अ) डिनशॉ पेटिट (ब) जमशेदजी टाटा
(स) सेठ हुकुमचंद्र (द) द्वारकानाथ टैगोर (स)

6. **इंग्लैण्ड में सबसे पहले किस दशक में कारखाने खुले ?**
(अ) 1710 के दशक में (ब) 1720 के दशक में
(स) 1730 के दशक में (द) 1740 के दशक में
(स)

7. **1840 के दशक तक ब्रिटेन के सबसे फलते-फूलते उद्योग थे-**
(अ) सूती उद्योग और कपास उद्योग
(स) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
(ब) लौह-इस्पात उद्योग
(द) फर्नीचर और औजार के उत्पादन का उद्योग (अ)

8. **19वीं सदी में जिस देश में कामगारों की कमी थी, वह था-**
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) भारत (द) चीन (अ)

9. **1811-12 में भारत के कुल निर्यात में सूती माल का हिस्सा 33 प्रतिशत था जो 1850-51 में घटकर रह गया था-**
(अ) 30 प्रतिशत (ब) 20 प्रतिशत
(स) 13 प्रतिशत (द) 3 प्रतिशत (द)

10. **जे. एन. टाटा ने जमशेदपुर में भारत का प्रथम लौह एवं इस्पात संयंत्र स्थापित किया-**
(अ) 1854 (ब) 1912
(स) 1855 (द) 1917 (ब)

लघुतरात्मक प्रश्न-

1. **बाजार में श्रम की बहुतायत से मजदूरी का जिन्दगी किस प्रकार प्रभावित हुई ?**

उत्तर- बाजार में श्रम की प्रचुरता से मजदूरों का जीवन बहुत प्रभावित हुआ. काम पाने के लिए गांवों से बड़ी संख्या में मजदूर शहरों में आने लगे। रोजगार चाहने वाले बहुत से लोगों को कई सप्ताहों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी. बे पुलों के नीचे निजी तथा विधि विभाग द्वारा संचालित रैनबसेरों में रहते थे।

2. **20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारत में जॉबर्स की भूमिका का वर्णन कीजिए।**

अथवा

जोबर कौन होते थे? उनके कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- जॉबर-उद्योगपति नए मजदूरों की भर्ती के लिए प्राय: एक व्यक्ति रखते थे, जो जॉबर कहलाता था। जॉबर कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था ।

शेखावाटी मिशन - 100

जॉबर के कार्य - वह अपने गाँव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में जमने के लिए मदद देता था और मुसीबत में पैसे से मदद करता था। बाद में जॉबर मदद के बदले पैसे व तोहफों की माँग करने लगे और मजदूरों की जिंदगी को नियंत्रित करने लगे ।

3. आदि-औद्योगीकरण क्या है ? भारतीय बुनकरों पर ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने किस प्रकार नियंत्रण स्थापित किया ?

उत्तर- आदि-औद्योगीकरण का अर्थ-इंग्लैण्ड और यूरोप में फैक्ट्रियों की स्थापना से पहले के औद्योगिक उत्पादन को आदि-औद्योगीकरण कहा जाता है. आदि-औद्योगीकरण काल में औद्योगिक बाजार के लिए उत्पादन कारखानों की बजाय घरों पर हाथों से निर्मित किये जाते थे.

भारतीय बुनकरों पर ईस्ट इण्डिया कम्पनी का नियंत्रण - (1) कम्पनी ने बुनकरों पर निगरानी रखने, माल इकट्ठा करने और कपड़ों की गुणवत्ता जांचने के लिए वेतनभोगी कर्मचारी तैनात कर दिए जिन्हें गुमाश्ता कहा जाता था। (2) कम्पनी को माल बेचने वाले बुनकरों को अन्य खरीद्दारों के साथ कारोबार करने पर पाबंदी लगा दी।

(3) जिन बुनकरों द्वारा कम्पनी से कर्ज लिया जाता था, उन्हें अपना बनाया हुआ कपड़ा गुमाश्ता को ही देना पड़ता था। उसे वे किसी और व्यापारी को नहीं बेच सकते थे।

4. ब्रिटिश औद्योगीकरण के कारण भारतीय बुनकरों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा ?

अथवा

उन्नीसवीं शताब्दी में भारतीय बुनकरों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा ?

उत्तर - उन्नीसवीं शताब्दी में भारतीय बुनकरों को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ा-

1. बुनकरों का निर्यात बाजार नष्ट हो रहा था और स्थानीय बाजार सिकुड़ रहा था। स्थानीय बाजार में मैनचेस्टर के आयातित मालों की भरमार थी। कम लागत पर मशीनों से बनने वाले आयात किए गए कपास उत्पाद इतने सस्ते थे कि बुनकर उनका मुकाबला नहीं कर सकते थे। 1850 के दशक तक देश के अधिकांश बुनकर प्रदेशों में गरीबी व बेरोजगारी फैल गई थी।

2. 1860 के दशक में अमेरिका में गृहयुद्ध आरम्भ होने पर भारतीय बुनकरों के लिए कच्चा माल मिलना अत्यन्त कठिन हो गया. उन्हें मनमानी कीमत पर कच्ची कपास खरीदनी पड़ती थी। इस स्थिति में बुनकरों के लिए जीवन निर्वाह करना कठिन हो गया।

3. उन्नीसवीं सदी के अन्त में भारतीय कारखानों में उत्पादन होने लगा और बाजार मशीनों की बनी चीजों से भर गया थे।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 5

मुद्रण संस्कृति, आधुनिक दुनिया

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-3, अंक -3)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. **विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की तकनीक किस देश में विकसित हुई थी ?**

(अ) भारत (ब) चीन

(स) जापान (द) इटली (ब)

2. **जापान की सबसे पुरानी पुस्तक श्डायमंड सूत्रश छपी थी-**

(अ) 1018 ई. (ब) 908 ई.

(स) 968 ई. (द) 868 ई. (द)

3. **चीन से इटली में वुड ब्लॉक वाली छपाई की तकनीक लेकर आया था-**

(अ) मार्टिन लूथर (ब) कोलम्बस

(स) मार्कोपोलो (द) वास्कोडिगामा (स)

4. **आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया था ?**

(अ) योहान गुटेनबर्ग (ब) मार्कोपोलो

(स) इरैस्मस (द) दिदरो (अ)

5. **किसके छपे हुए लेखों के कारण यूरोप में धर्म सुधार आन्दोलन शुरू हुआ ?**

(अ) काल्विन (ब) मार्टिन लूथर

(स) इरैस्मस (द) ज्विंग्ली (ब)

6. **1821 से संवाद कौमुदी का प्रकाशन किसने शुरू किया ?**

(अ) विवेकानन्द (ब) राजा राममोहन राय

(स) ज्योतिबा फुले (द) दादाभाई नौरोजी

(ब)

7. **गुलामगिरी पुस्तक के लेखक कौन हैं?**

(अ) बी. आर. अम्बेडकर (ब) महात्मा गांधी

(स) ज्योतिबा फुले

(द) गोपाल कृष्ण गोखले (स)

8. **मुद्रण संस्कृति ने किस क्रान्ति को जन्म दिया ?**

(अ) 1789 की फ्रांसीसी क्रांति

(ब) इंग्लैंड की रक्तहीन क्रांति

(स) 1917 की रूस की सर्वहारा क्रांति

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (अ)

9. **भारत में सबसे पहले प्रिंटिंग प्रेस कहाँ आया ?**

(अ) मुंबई में (ब) कोलकाता में

(स) गोवा में (द) अहमदाबाद में(स)

10. **केसरी का प्रकाशन किसने किया-**

(अ) महात्मा गाँधी

(ब) बाल गंगाधर तिलक

(स) सैंडर्स

(द) लाजपत राय (ब)

11. **बंगाल गजट अखबार प्रकाशित किया गया-**

(अ) जेम्स आगस्टस हिक्की ने

(ब) गंगाधर भट्टाचार्य ने

(स) राजा राममोहन राय ने

(द) वारेन हेस्टिंग्स ने (अ)

12. **अमर जीवन नामक आत्मकथा किसने लिखी ?**

(अ) रशसुन्दरी देवी (ब) रुकैया शेखावत

(स) ताराबाई शिंदे (द) पंडिता रमाबाई

(अ)

लघुतरात्मक प्रश्न-

1. **मुद्रण क्रान्तिसे आप क्या समझते है ?**

उत्तर- **मुद्रण कान्ति-** छापेखाने के आविष्कार के कारण बड़े पैमाने पर पुस्तकें छपने लगीं। छपाई से पुस्तकों की कीमतें गिरी। बाजारों में पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ गई तथा पाठक वर्ग भी बढ़

शेखावाटी मिशन - 100

गया। यही मुद्रण क्रान्ति कहलाती है। इससे लोक चेतना बदल गई तथा चीजों को देखने का दृष्टिकोण भी बदल गया।

2. रशसुन्दरी देवी कौन थीं ? संक्षिप्त परिचय दीजिए.

उत्तर- रशसुन्दरी देवी पूर्वी बंगाल की निवासी एक महिला थीं जिसका विवाह 19वीं सदी के प्रारम्भ में एक रूढ़िवादी परिवार में हुआ था। उन्होंने रसोई में छिप छिपकर पढ़ना सीखा. बाद में चलकर उन्होंने आमार जीवन नामक आत्मकथा लिखी जो 1876 में प्रकाशित हुई। यह बंगाली भाषा में प्रकाशित पहली सम्पूर्ण आत्म-कहानी थी।

3. 19वी सदी के अन्त में मुद्रण संस्कृति ने महिलाओं को किस प्रकार प्रभावित किया ?

उत्तर- 19वीं सदी के अन्त में मुद्रण संस्कृति ने महिलाओं को निम्न प्रकार प्रभावित किया-

1. 19वीं सदी में मुद्रण संस्कृति के प्रादुर्भाव से महिलाएँ पाठिका तथा लेखिका की भूमिका में ज्यादा अहम हो गई।

2. मशहूर उपन्यासकारों में लेखिकाएँ अग्रणी थीं। उनके लेखन से नई नारी की परिभाषा उभरी- जिसका व्यक्तित्व सुदृढ़ था, जिसमें गहरी सूझ-बूझ थी, जिसका अपना दिमाग था तथा अपनी इच्छाशक्ति थी।

3. उन्नीसवीं सदी में छपी हुई पुस्तकों में महिलाओं के जीवन तथा उनकी भावनाओं को स्पष्टता से व्यक्त किया जाने लगा। तथा गहनता।

4. मध्यवर्गीय परिवारों में महिलाएँ पढ़ने में पहले की अपेक्षा अधिक रुचि लेने लगीं। उदारवादी पिता और पति अपने यहाँ औरतों को घर पर पढ़ाने लगे और उन्नीसवीं सदी के मध्य में छोटे-बड़े शहरों में स्कूल खुलने लगे, तो उदारवादी माता-पिता पुत्रियों को स्कूलों में भेजने लगे।

❖❖❖

अध्याय - 6

संसाधन एवं विकास

कुल अंक-03 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक -1, लघुतरात्मक प्रश्न-1, अंक-2)

1. **अवनलिका द्वारा सर्वाधिक मृदा अपरदन किस क्षेत्र में होता है?**

उ. चंबल बेसिन में

2. **काजू की फसल के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मृदा है?**

उ. लाल लेटेराइट

3. **लेटेराइट शब्द ग्रीक भाषा के किस शब्द से लिया गया है?**

उ. लेटर (जिसका अर्थ 'ईंट' है)

4. **'रेगर' मृदा किस मृदा को कहा जाता है?**

उ. काली मृदा

5. **आयु के आधार पर पुराना जलोढ़ को किस नाम से जाना जाता है?**

उ. बांगर

6. **आयु के आधार पर नये जलोढ़ को किस नाम से जाना जाता है?**

उ. खादर

7. **पर्वतीय क्षेत्र की तहलटी में बने क्षेत्र को किस नाम से जाना जाता है?**

उ. द्वार, चौ तथा तराई।

8. **राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित वन क्षेत्र का कितना प्रतिशत वांछित है।**

उ. 33 प्रतिशत

9. **भारत में निम्नीकृत भूमि है?**

उ. 13 करोड़ हेक्टेयर

10. **भारत में विभिन्न प्रकार की भू-आकृतिक भागों का प्रतिशत है।**

उ. 43 प्रतिशत मैदान, 30 प्रतिशत भाग पर्वत तथा 27 प्रतिशत भाग पठारी।

11. **पुस्तक 'स्माल इज ब्यूटीफुल' के लेखक है।**

उ. शुमेसर

12. **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वप्रथम संसाधन संरक्षण की वकालत कब व किसने की।**

उ. 1968 में 'क्लब ऑफ रोम' ने की।

13. **'एजेंडा 21' का मुख्य उद्देश्य है।**

उ. भूमंडलीय सतत पोषणीय विकास हासिल करना है।

14. **प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन कहाँ हुआ।**

उ. जून 1992 में ब्राजील के रियोडी जेनेरो शहर में।

15. **समुद्र में कितने किलोमीटर तक पाये जाने वाले संसाधन राष्ट्र की संपदा है।**

उ. 12 समुद्री मील (22.2 किलोमीटर)

16. **वह भूमि जहाँ एक कृषि वर्ष या उससे कम समय में खेती न की गई हो कहलाती है?**

उत्तर- वर्तमान परती भूमि।

17. **वह भूमि जहाँ 1 से 5 कृषि वर्ष से खेती न की गई हो, कहलाती है?**

उत्तर- पुरातन परती भूमि।

18. **कपास की खेती के लिए उपर्युक्त मृदा है।**

उत्तर- काली मृदा

19. **उत्पत्ति के आधार पर संसाधनों के प्रकार बताइए-**

उत्तर- जैव और अजैव

20. **समाप्यता के आधार पर संसाधनों के प्रकार बताइए-**

उत्तर- नवीकरण और अनवीकरण संसाधन

21. **पंजाब और हरियाणा में शुद्ध (निवल) बोये क्षेत्र का प्रतिशत है?**

उत्तर- 80 प्रतिशत

22. **भारत के कुल संचित क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग पर ही कृषि होती है?**

उत्तर- 54 प्रतिशत भाग

23. **चादर अपरदन के लिए कौनसा कारक उत्तरदायी है?**

उत्तर- जल

24. **विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है?**

उत्तर- 5 जून

25. **भारत के किस प्रान्त में सीढ़ीदार (सोपानी) खेती की जाती है?**

उत्तर- उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मेद्यालय

शेखावाटी मिशन-100

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

1. भारत में भू-निम्नीकरण के कारण समझाइए-

उत्तर - (1) जल के कारण मृदा अपरदन होना।

(2) अति सिंचाई के कारण जलाक्रांतता होना।

(3) अति पशुचारण व वनोन्मूलन के कारण।

(4) मृदा का लवणीय व क्षारीय होना।

(5) उद्योगों से निकले अपशिष्ट या गंदे रासायन युक्त पानी के द्वारा।

2. भू-निम्नीकरण के उपाय समझाइए-

उत्तर - (1) अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके तथा वनोन्मूलन को रोककर।

(2) मरूस्थलीय तथा अन्य क्षेत्रों में होने वाले अति पशुचारण को रोककर।

(3) रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करके।

(4) जनसंख्या वृद्धि को कम करके।

3. संसाधनों के अत्यधिक दोहन से होने वाली समस्याएँ स्पष्ट करें।

उत्तर - (1) संसाधनों के असन्तुलित उपयोग से समाज अमीर व गरीब में बँट गया।

(2) संसाधनों के असन्तुलित/अंधाधुध उपयोग के कारण ओजोन परत क्षरण, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि-निम्नीकरण तथा भूमण्डलीय तापन जैसी वैश्वीक समस्याएँ उत्पन्न हो रही है।

(3) कुछ व्यक्तियों के लिए ही संसाधनों का ह्रास हो रहा है।

(4) संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण आने वाली पीढ़ीयों के लिए इनका प्राप्त नहीं होना भी या कमी होना भी गम्भीर समस्या होगी।

4. मृदा अपरदन रोकने के उपाय या मृदा संरक्षण को समझाइए-

उत्तर- (1) अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके तथा वनोन्मूलन को रोककर।

(2) मरूस्थलीय या अन्य क्षेत्रों में होने वाले अति पशुचारण को रोककर।

(3) जनसंख्या वृद्धि के कारण होने वाले अवयवस्थित निर्माण कार्य को रोककर।

(4) रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग से।

(5) पहाड़ी या ढ़लान वाले क्षेत्रों में सीढ़ी नुमा खेत बनाकर कृषि कार्य करके।

5. एजेडा-21 क्या है? समझाइए-

उत्तर- यह एक घोषणा है जिसे 1992 में ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरो में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के तत्वावधान में राष्ट्राध्यक्षों द्वारा स्वीकृत किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य 'भूमंडलीय सतत् पोषणीय विकास हासिल करना है।'

6. बांगर तथा खादर में अंतर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- बांगर :- पुराना जालोढ़ अर्थात् पुरानी जलोढ़ मृदा के बांगर के नाम से जाना जाता है। बांगर मृदा में कंकर ग्रंथियों की मात्रा ज्यादा होती है।

खादर:- नया जलोढ़ अर्थात् नयी जलोढ़ मृदा को खादर के नाम से जाना जाता है। खादर मृदा में बांगर मृदा की तुलना में ज्यादा महीन कण पाये जाते है।

7. विकास में संसाधन, प्रौद्योगिकी एवं मानव की भूमिका के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- किसी क्षेत्र के विकास के लिए संसाधनों की उपलब्धता एक आवश्यक शर्त है। लेकिन संसाधन किसी प्रदेश के विकास में तभी योगदान दे सकते है, जब वहाँ उपर्युक्त प्रौद्योगिकी विकास और संस्थागत परिवर्तन किये जाये। अत: विकास में संसाधनों की उपलब्धता के साथ-साथ इसमें प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन की गुणवक्ता का भी योगदान रहता है।

8. संसाधनों के वर्गीकरण को समझाइए-

उत्तर- संसाधनों का वर्गीकरण निम्न प्रकार में किया जा सकता है-

1. उत्पति के आधार पर - जैव एवं अजैव

2. समाप्यता के आधार पर - नवीकरण योग्य और अनवीकरण योग्य

3. स्वामित्व के आधार पर- व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय

4. विकास के स्तर के आधार पर- संभावी, विकसित भंडार, संचित कोष

9. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र तथा सकल कृर्षि के क्षेत्र में अंतर बताइए-

उत्तर- शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र- वह भूमि जिस पर फसले उगाई व काटी जाती है, वह शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

सकल कृषित क्षेत्र- एक कृषि वर्ष में एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र को शुद्ध (निवल) बोए गए क्षेत्र में जोड़ दिया

शेखावाटी मिशन-100

जाए तो वह सकल कृषित क्षेत्र कहलाता है।

10. नवीकरणीय और अनवीकरणीय योग्य संसाधनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- **1. नवीकरणीय संसाधन-** सतत् उपयोग के बाद भी समाप्त नहीं होते तथा इनके उपयोग से प्रदूषण नहीं होता।

उदाहरण- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा

2. अनवीकरणीय संसाधन- सतत् उपयोग के बाद भी समाप्त होने का डर है तथा इनके उपयोग से प्रदूषण फैलता है।

उदाहरण- कोयला तथा पेट्रोलियम पदार्थ।

11. संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर- 1. संसाधनों के अत्यधिक दोहन व विवेकहीन उपयोग के कारण संरक्षण आवश्यक है।

2. सतत् विकास के लिए संसाधनों का संरक्षण आवश्यकता है।

12. संसाधनों का नियोजन किस प्रकार कर सकते है? समझाइए-

उत्तर- 1. देश में पाये जाने वाले संसाधनों की पहचान करना, संसाधन की गुणवता व मात्रा का अनुमानित मापन करना है।

2. देश में पाये जाने वाले संसाधनों से सम्बंधित विकास योजनाएँ लागु करना, प्रौद्योगिकी कौशल का विकास करना।

❖❖❖

शेखावाटी मिशन -

अध्याय - 7 वन एवं वन्य जीव संसाधन

कुल अंक-2 (वस्तुनिष्ठ - 1 अंक, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. भारत में विश्व की सारी जैव उपजातियों की कितने प्रतिशत संख्या पाई जाती है?

उत्तर- 8 प्रतिशत (लगभग 16 लाख)

2. भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम कब लागू किया गया?

उत्तर- 1972

3. प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत कब हुई ?

उत्तर- 1973

4. 'कारबेट राष्ट्रीय उद्यान' भारत के किस राज्य में स्थित है।

उत्तर- उत्तराखण्ड

5. 'सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान' भारत के किस राज्य में स्थित है।

उत्तर- पश्चिम बंगाल

6. 'बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान' कहाँ स्थित है?

उत्तर- मध्य प्रदेश

7. 'सरिस्का बाघ रिजर्व' किस राज्य में स्थित है।

उत्तर- राजस्थान

8. 'पेरियार बाघ रिजर्व' किस राज्य में स्थित है?

उत्तर- केरल

9. 'काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान' किस राज्य में स्थित है?

उत्तर- असम

10. भारत के किस राज्य में स्थायी वनों के अन्तर्गत सबसे अधिक क्षेत्र है?

उत्तर- मध्य प्रदेश (75प्रतिशत)

11. वन विभाग के अनुसार देश के कुल क्षेत्र का कितना हिस्सा रक्षित वन है?

उत्तर- एक-तिहाई हिस्सा

12. राजस्थान के किन जिले में 5 गाँवो के लोगो ने 1200 हेक्टेयर वन भूमि 'भैरोदेव डाकव सेंचुरी' घोषित कर दी है?

उत्तर- अलवर

13. छोटा नागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियों किन पेड़ो की पूजा करते हैं?

उत्तर- महुआ और कदम्ब

14. किन राज्यों की जनजातियाँ शादी के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करती है?

उत्तर- ओडिशा और बिहार

15. 'चिपको आंदोलन' का सम्बंध है?

उत्तर- हिमालयी क्षेत्र से

16. टिहरी के किसानो द्वारा किस अभियान ने दिखा दिया कि रासायनिक उर्वरको के प्रयोग बिना भी विविध फसल उत्पादन व आर्थिक कृषि उत्पादन संभव है?

उत्तर- 'बीज बचाओं आंदोलन' और 'नवदानम'

17. 1988 में किस राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया?

उत्तर- ओडिसा

18. 'चिपको आन्दोलन' से जुड़े हुए पर्यावरणविद् है?

उत्तर- अमृता देवी विश्नोई, सुन्दर लाल बहुगुणा

19. वन कितने प्रकार के होते है?

उत्तर- 1. आरक्षित वन

2. रक्षित वन

3. अवर्गीकृत वन

शेखावाटी मिशन - 100

20. संकटग्रस्त प्रजातियाँ किसे कहते है?

उत्तर- वे प्रजातियाँ जिनकी संख्या कम हो गई है तथा उनके लुप्त होने का खतरा है।

21. 'रेड डाटा पुस्तक' क्या है?

उत्तर- संकटापन्न प्रजातियों का लेखा-जोखा या इनकी सूची है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. जैव विविधता को परिभाषित कीजिए ।

उत्तर- पृथ्वी के स्थलीय व जलीय भाग पर अनेक प्रकार के जीव जन्तुओं तथा वनस्पति का पाया जाना ही जैव-विविधता है।

2. पारिस्थितिक तंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- मानव और दूसरे जीवधारी मिलकर एक जटिल तंत्र का निर्माण करते हैं, जिने पारिस्थिक तंत्र कहते है।

3. वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना क्यो आवश्यक है।

उत्तर- वन और वन्य जीवन के संरक्षण से पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है तथा हमारे जीवन साध्य संसाधन - जल, वायु और मृदा बने रहते हैं।

4. भारत में जैव विविधता को कम करने वाले दो कारक बताइए।

उत्तर- 1. वन्य जीवों के आवास का विनाश, जंगली जानवरों को मारना व आखेट्न

2. पर्यावरणीय प्रदूषण

5. भारत में किन्ही दो बाघ आरक्षित परियोजनाओं के नाम बताइए ।

उत्तर- 1. कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)

2. सुन्दरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल)

6. चिपको आंदोलन का महत्व बताइए ।

उत्तर- हिमालय प्रदेश में वनों की कटाई रोकना तथा सामुदायिक वनीकरण करना आदि कार्य चिपको आंदोलन के अन्तर्गत किये जाते हैं।

7. राजस्थान में विश्नोई समुदाय का अभिन्न हिस्सा किन जीव जन्तुओं को माना जाता है?

उत्तर- काला हिरण, चिंकारा, नीलगाय, मोर

8. 'संयुक्त वन प्रबंधन' क्या है।

उत्तर- वन विभाग के अन्तर्गत संयुक्त वन प्रबंधन क्षरित वनों के बचाव के लिए कार्य करता है। इसमें गाँव के स्तर पर संस्थाएँ बनाई जाती है जिनमें ग्रामीण और वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से कार्य करते हैं।

शेखावाटी मिशन – 100

अध्याय - 8

जल संसाधन

कुल अंक-3 (दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -3)

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-

1. यदि आप राजस्थान के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में निवास करते है तो वर्षा जल संग्रहण किस प्रकार करेंगे ?

उत्तर- हम राजस्थान के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण निम्न प्रकार से करेंगे -

1. खादीन एवं जोहड- राजस्थान के अर्द्ध शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में खेतों में वर्षा के जल को एकत्रित करने के लिए गड़ढे बनाए जाते थे जिससे भूमि की सिंचाई की जा सके तथा संरक्षित जल को कृषि के काम में प्रयुक्त किया जा सके। राजस्थान के जैसलमेर जिले में 'खादीन तथा अन्य क्षेत्रों में 'जोहड़' इसके उदाहरणहरण है।

2. टांका अभवा भूमिगत टैंक- राजस्थान के अर्द्ध शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में विशेष रूप से बीकानेर, फलोदी और बाड़मेर में लगभग प्रत्येक घर में पीने का पानी संग्रहित करने के लिए भुमिगत टैंक अथवा टांका हुआ करते थे। उसका आकार एक बड़े कमरे के समान होता है। इसका आकार लगभग 6.1 मी. गहरा, 4.27 मी. लम्बा तथा 2044 मी चौड़ा होता है। टांका यहाँ सुविकसित छत वर्षा जल संग्रहण का अभिन्न हिस्सा होता है। जिसे मुख्य घर आंगन में बनाया जाता था। ये घरों की ढलवां छातों से पाइप द्वारा जुड़े होते हैं। छात से वर्षा का जल इन नलों से होकर भूमिगत टांका तक पहुंचता है। जहाँ इसे एकत्रित किया जाता है।

2. बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ तथा हानियों पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

उत्तर- बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ-

1. इन परियोजनाओं के अंतर्गत बने बाँधों से बाढ़ो पर नियंत्रण तथा मृदा का संरक्षण अंर्तगत बने बाँधो।

2. इन बाँधो के जलग्रहण क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से वृक्षारोपण कर वन्य भूमि का विस्तार किया जाता है जिससे परितंत्र के संरक्षण में सहायता मिलती है।

3. बाँधों के पीछे बने जलाशयों में मछलियों के बीज तैयार किये जाते है।

4. इन परियोजनाओं से पेयजल तथा कृषि हेतु सिचाई की सुविधा मिलती है तथा जल विद्युत पैदा की जाती है जिसमें घरेलू और औद्योगिक विद्युत की पूर्ति होती है।

हानिया - 1. जलीय प्राणीयों के आवास में समस्या आती है।

2. बाढ़ के मैदानों में जलाशय बनाने पर वनस्पति नष्ट हो जाती है।

3. बाँधो के कारण स्थायी समुदायों का बड़े पैमाने पर विस्थापन होता है तथा उनकी भूमि तथा आजीविका के साधन छिन जाते है।

4. सिंचाई सुविधाओं से गंभीर पारिस्थितिकीय परिणाम हो रहे है।

5. बाँधों के कारण भूकम्प आने की सम्भावना बढ़ती है तथा जल जनित बीमारिया तथा प्रदूषण फैलता है।

6. जलाशयों में तलछट जमा होने से वे स्वयं बाढ़ो का कारण बन जाते हैं।

3. आपके अनुसार, पानी के संरक्षण और प्रबंधन में बाँध किस प्रकार मदद करते हैं?

उत्तर- पानी के संरक्षण और प्रबंधन में बाँध निम्न प्रकार मदद करते है -

शेखावाटी मिशन - 100

1. बाँधों द्वारा जल संरक्षण और प्रबंधन में पाँच एवं बाढ़ का नियंत्रण किया जाता है।

2. बाँधों से सिंचाई के लिए जल की आपूर्ति की जाती है।

3. बाँध विद्युत उत्पादन, घेरलू और औद्योगिक उपयोग, मनोरंजन, आंतरिक नौसंचालन एवं मत्स्य पालन के लिए भी उपयोगी होते हैं।

4. बहुउद्देशीय परियोजनाएँ किस प्रकार देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा लोगों का जीवन स्तर सुधारने में सहायक है। अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- बहुउद्देशीय परियोजनाएँ देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक-

1. इनसे खेती को निर्बाध गति से जल की पूर्ति होती है जिससे समय पर फसलों की सिंचाई होने कृषि उत्पादन बढ़ता है।

2. इन परियोजनाओं से कृषि को ऊर्जा मिलने से कृषि में मशीनीकरण सम्भव हो गया है।

3. इन परियोजनाओं से उद्योगों को ऊर्जा मिलती है देश में औद्योगिक उत्पादन बढ़ा है।

लोगो का जीवन सुधारने में सहायक -

1. कृषि उत्पादन बढ़ने से लोगों की आय में वृद्धि होती है।

2. औद्योगिक उत्पादन बढ़ने से श्रमिको के रोजगार के अवसर बढ़ते है तथा उनकी आय में वृद्धि होती है।

5. बहुउद्देशीय परियोजनाओं तथा बड़े बांधों ने नये सामाजिक आन्दोलनों को जन्म दिया है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- बहुउद्देशीय परियोजनाओं और बड़े बांधों ने अनेक सामाजिक आन्दोलनों को जन्म दिया है। उन आंदोलनों में मुख्य है - 'नर्मदा बचाओं आंदोलन' और 'टिहरी बाँध आंदोलन'। इन परियोजनाओं के विरोध तथा इनके विरुद्ध आंदोलन के अनेक कारण है। इनका विरोध मुख्य रूप से स्थानीय समुदायों के वृहद स्तर पर विस्थापन के कारण है। इन परियोजनाओं के कारण आमतौर पर स्थानीय लोगों को उनकी जमीन, आजीविका और संसाधनों से लगाव एवं नियंत्रण देश की बेहतरी के लिए कुर्बान करना पड़ता है। जबकि इन स्थानीय लोगो को इन परियोजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल पाता है। जमींदारों, बड़े किसानों, उद्योगपतियों तथा नगरीय केन्द्रों को उनका अधिक लाभ मिलता है। अत: पर्यावरणीय मुद्दों तथा बाँध से विस्थापित गरीब लोगो को सरकार से पुर्नवास सुविधाएँ दिलवाने हेतु इस प्रकार के नये सामाजिक आंदोलन जन्म लेते हैं।

6. किसी क्षेत्र में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने पर भी वहाँ जल दुर्लभता किस प्रकार संभव है? उदाहरण देकर समझाइए ।

उत्तर- किसी क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में जल संसाधन होने के बावजूद भी वहाँ जल की अत्यधिक मांग, अतिशोषण तथा जल की खराब गुणवत्ता निम्न कारण उत्तरदायी है।

1. अत्यधिक और बढ़ती जनसंख्या और उसके परिणामस्वरूप जल की बढ़ती माँग जल की दुर्लभता को जन्म देती है।

2. समाज के विभिन्न वर्गो में जल का असमान वितरण।

3. अधिक जनसख्यां के लिए घरेलू उपयोग तथा अधिक अनाज उगाने के लिए जल संसाधनों का अतिशोषण किया जाता है।

4. शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा शहरी जीवनशैली के कारण भी प्रचुर मात्रा वाले क्षेत्रों में जल दुर्लभता दिखाई देती है।

5. जल की खराब गुणवत्ता जल दुर्लभता का कारण है।

उदाहरण- मेघालय की राजधानी शिलांग जो कि विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान मासिनराम से 55 किमी की दूरी पर स्थित है। जल दुर्लभता का सामना कर रहा है। कारण- अधिक जनसख्या तथा शहरीकरण ।

शेखावाटी मिशन-100

7. वर्षा जल संग्रहण क्या है? वर्षा जल संग्रहण के उद्देश्यो को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- वर्षा जल संग्रहण- वर्षा के जल को शुष्क मौसम में उपयोग करने के लिए भण्डारित करके रखना वर्षा जल संग्रहण कहलाता है।

बर्षा जल संग्रहण के उद्देश्य निम्न है-

1. इसके अर्न्तगत एकत्रित जल से शुष्क मौसम में जल की आवश्यकता की पूर्ति की जाती है।

2. वर्षा जल संग्रहण से नदियों में आई बाढ़ पर नियंत्रण होता है।

3. संग्रहित पानी जमीन में रिस-रिस कर जाता है जिससे भौमिक जल का स्तर ऊँचा उठता है।

4. वर्षा जल संग्रहण के सिंचाई के साथ-साथ पीने, घरेलु उपयोग आदि कार्यों के लिए भी जल उपलब्ध हो पाता है।

8. भारत में जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता क्यो है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- भारत में जल संसाधनों के अतिशोषण और कुप्रबंधन से जल संसाधनों का ह्रास हो सकता है जिससे गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतः उसके परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी संकट की समस्या पैदा हो सकती है जिसका हमारे जीवन पर गंभीर प्रभाव हो सकता है। अतः स्वयं को खाद्य संबंधी खतरों से बचाने, खाधान्न सुरक्षा, अपनी आजीविका और उत्पादक क्रियाओं की निरंतरता को बनाए रखने तथा अपने प्राकृतिक परितंत्र को निम्नीकृत होने से बचाने के लिए समय की मांग है कि हम अपने जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन करें। इसके अतिरिक्ति ओधौगिकीकरण और नगरीकरण के कारण घरेलू व औद्योगिक अपशिष्टो, रसायनो, कीटनाशको आदि के कारण जल गुणवत्ता खराब हो रही है और पर्याप्त जल संसाधनो के होते हुए भी इन क्षेत्रों को जल की दुर्लभता का सामना करना पड़ता है। अतः आवश्यकता है कि भारत में जल का उचित संरक्षण एवं प्रबंधन हो।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 9

कृषि

कुल अंक-3 (रिक्तस्थान - 1, अंक -1,लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. कर्तन दहन प्रणाली को भारत के उत्तर पूर्वी प्रदेशो (असम, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड) में .... कहा जाता है।

उत्तर - झूम

2. हमारे देश में अरेबिका किस्म की .... पैदा की जाती है।

उत्तर- कॉफी

3. भारत को .... के पौधे का मूल स्थान माना जाता है।

उत्तर- कपास

4. .... को सुनहरा रेशा कहा जाता है।

उत्तर- जूट

5. 'कर्तन दहन' कृषि को मणिपुर में .... कहते है।

उत्तर - पामलू

6. भारत की .... जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है।

उत्तर- दो-तिहाई

7. .... और ...... बायो-डीजल फसलें है।

उत्तर- जेट्रोपा, जोजोबा

8. भारत में चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि महत्वपूर्ण...... फसलें है।

उत्तर- रोपण

9. .... भारत की मुख्य खाद्यान्न फसल है।

उत्तर- चावल

10. .... विश्व में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता देश है।

उत्तर- भारत

11. कृषि एक .... क्रिया है-

उत्तर- प्राथमिक

12. .... विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है।

उत्तर- चीन

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. एक पेय/रोपण फसल का नाम बताएँ तथा उसको उगाने के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों का विवरण दें।

उत्तर- 1. चाय एक पेय फसल है। भारत विश्व का अग्रणी चाय उत्पादक देश है।

2. चाय का पौधा उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु, ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी तथा सुगम जल निकास वाले ढलवा क्षेत्रों में उगाया जाता है।

3. चाय की खेती के लिए वर्षभर कोष्ण, नम और पालारहित जलवायु की आवश्यकता होती है।

4. वर्ष भर समान रूप से होने वाली वर्षा इसकी कोमल पत्तियों के विकास में सहायक होती है।

2. सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधार कार्यक्रमों की सूची बनाएँ।

उत्तर - सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधार कार्यक्रम निम्नलिखित है।

1. जोतों की चकबंदी ।

2. जमींदारी प्रथा की समाप्ति।

3. अधिक उपज देने वाले बीजों के द्वारा हरित क्रांति।

4. पशुओं की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन में श्वेत क्रांति।

5. बाढ़, चक्रवात, आग तथा बीमारी के लिए फसल बीमा के प्रावधान।

6. किसानों को कम दर पर ऋण दिलाने के लिए ग्रामीण बैंको, सहकारी समितियों और बैंकों की स्थापना की गई।

7. किसानों के लाभ के लिए किसान क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना शुरू की गई

8. कुछ महत्वपूर्ण फसलों के लाभदायक खरीद मूल्यों की घोषणा भी सरकार करती है।

3. कपास उत्पादन के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ बताइए ।

उत्तर- 1. कपास को उगाने के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और खिली धुप की आवश्यकता होती है।

2. यह खरीफ की फसल है और इसे पककर तैयार हाने में 6 से 8 महीने लगते है।

3. दक्कन पठार के शुष्कतर भागों में काली मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

शेखावाटी मिशन - 100

4. रबी एवं खरीफ फसलों में प्रमुख अन्तर बताइए।

उत्तर - रबी एवं खरीफ फसलों में अन्तर

क्र.सं.	रबी फसल	खरीफ फसल
1.	रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसम्बर के मध्य बोया जाता है।	खरीफ फसलें मानसून के आगमन के साथ जून जुलाई के महीनों में बोई जाती है।
2.	इन्हें ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा लिया जाता है।	इन फसलों को शीत ऋतु के प्रारम्भ होने से पहले ही सितम्बर-अक्टूबर माह में काट लिया जाता है।
3.	गेहूँ, जौ, चना, मटर व सरसों आदि प्रमुख रबी फसलें है।	चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा आदि प्रमुख खरीफ फसलें है।

5. प्रारंभिक/आदिम निर्वाह कृषि और व्यावसायिक/वाणिज्य कृषि के बीच अंतर लिखो।

उत्तर - **प्रारंभिक / आदिम निर्वाह कृषि**

वाणिज्यिक कृषि

1. इस प्रकार की कृषि भूमि के छोटे टुकड़ों पर आदिम इस प्रकार की कृषि मुख्यत: वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए की

कृषि औजारों जैसे लकड़ी के हल, डाओ, खुदाई जाती है।

करने वाली छड़ी से की जाती है।

2. परिवार तथा समुदाय श्रम की मदद से की जाती है। अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए बड़ी मशीनों, अधिक पैदावार

देने वाले बीजों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग

किया जाता है।

6. गहन जीविका कृषि क्या है? इस कृषि की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - गहन जीविका कृषि : यह श्रम गहन खेती है। जहाँ अधिक उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में जैव-रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग किया जाता है।

विशेषताएँ (1) इस प्रकार की कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ भूमि पर जनसंख्या दबाव अधिक होता है। (2) किसान सीमित भूमि पर अधिकतम पैदावार लेने के लिए अधिक मात्रा में जैव-रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग करता है। (3) भूस्वामित्व में विरासत के अधिकार के कारण पीढ़ी दर पीढ़ी जोतों का आकार छोटा एवं अलाभप्रद होता जा रहा है।

7. चावल की कृषि का वर्णन निम्न बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

1. जलवायु 2. उत्पादक क्षेत्र

उत्तर- **1. जलवायु -** यह भारत का प्रमुख खाद्यान्न है जिसे खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है। चावल के उत्पादन के लिए 25°C तापमान एवं 100 से.मी. से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

2. उत्पादक क्षेत्र - चावल भारत में उत्तर और उत्तर-पूर्वी मैदानों, तटीय क्षेत्रो और डेल्टाई प्रदेशो में उगाया जाता है। नहरों के जाल एवं नलकूपों की सघनता के कारण पंजाब, हरियाणा पश्चिमी उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान के कुछ कम वर्षा वाले क्षेत्रो में चावल की फसल उगाना संभव हो पाया है।

8. कर्तन दहन प्रणाली कृषि के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर- **कर्तन दहन कृषि** - यह खेती का एक पारंपरिक तरीका है जिसमें जगंल के किसी हिस्से को काटकर और जलाकर खेती की जाती है। इसे झूम खेती भी कहते है। इस खेती में पहले पेड़ो और वनस्पतियों को काटा जाता है, फिर उन्हें जलाया जाता हैं। जली हुई वनस्पति से राख बनती है, जिसे मिट्टी में मिलाकर वहाँ फसल उगाई जाती है। कुछ सालों बाद जब ज़मीन की उर्वरता कम हो जाती है, तो किसान दूसरी जगह जाकर इसी प्रक्रिया को दोहराते है।

9. गेहूं की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- यह एक रबी की फसल है इसको उगाने के लिए शीत ऋतु और पकने के समय खिली धूप की आवश्यकता होती है। इसे उगाने के लिए समान रूप से वितरित 50 से 75 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है। इसके लिए जलोढ़ (हल्की दोमट) मृदा एवं चिकनी मृदा उपयुक्त होती है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय - 10

खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

कुल अंक-4

1. **दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में आणविक ऊर्जा व तापीय ऊर्जा संयंत्रों की अवस्थिति दर्शाइए?**

उत्तर - अध्याय -5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत-ऊर्जा संयंत्र) बनाना।

2. **दिए गये भारत के रेखा मानचित्र में ऊर्जा के परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को अंकित कीजिए?**

उत्तर - अध्याय - 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत-परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत) बनाना।

3. **दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित खनिज उत्पादन स्थानों को अंकित कीजिए?**

उत्तर - अध्याय - 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत महत्वपूर्णर्ल खनिजों का वितरण) बनाना।

शेखावाटी मिशन - 100

❖❖❖

अध्याय - 11

विनिर्माण उद्योग

कुल अंक-2 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 अंक-1 + अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **सीमेंट उद्योग का प्रमुख कच्चा माल क्या है?**
(अ) चूना पत्थर (ब) लाल पत्थर
(स) बलुआ पत्थर (द) कोबाल्ट (अ)

2. **भारत का चीनी उत्पादन में विश्व में कौनसा स्थान है?**
(अ) पहला (ब) दूसरा
(स) तीसरा (द) चौथा (ब)

3. **निम्न में से कौनसे उद्योग दूरभाष कम्प्यूटर आदि संयंत्र निर्मित करते हैं?**
(अ) स्टील (ब) एल्यूमिनियम
(स)इलेक्ट्रॉनिक (द) सूचना प्रौद्योगिकी (स)

4. **निम्नलिखित में से कौनसा खनिज पर आधारित उद्योग का उदाहरण है?**
(अ) रबड़ उद्योग (ब) कागज उद्योग
(स) सीमेंट उद्योग (द) जूट उद्योग (स)

5. **भारत में अधिकतर पटसन उद्योग किस राज्य में स्थित है?**
(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) बिहार
(स)ओडिसा (द) महाराष्ट्र (अ)

6. **भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का कितना योगदान है?**
(अ) 10 प्रतिशत (ब) 14 प्रतिशत
(स) 17 प्रतिशत (द) 20 प्रतिशत (स)

7. **भारत में सीमेंट का पहला कारखाना कहाँ लगाया गया?**
(अ) मुम्बई (ब) चेन्नई
(स) कोलकात्ता
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (ब)

8. **भारत का सबसे प्राचीन और प्रमुख उद्योग है?**
(अ) लोहा तथा इस्पात उद्योग
(ब) जूट उद्योग (स)सूत्री वस्त्र उद्योग
(द) कागज उद्योग (स)

9. **भारत में सूत्री वस्त्र का पहला कारखाना कब लगाया गया?**
(अ) 1850 (ब) 1854
(स) 1856 (द) 1858 (ब)

10. **विनिर्माण उद्योग कौन से क्षेत्र की क्रिया है?**
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
(स) तृतीयक (द) चतुर्थक (ब)

11. **कोलकत्ता के निकट रिशरा में पटसन उद्योग का पहला कारखाना कब लगाया गया?**
(अ) सन् 1857 में (ब) सन् 1858 में
(स) 1859 में (द) सन् 1860 में (स)

12. **पटसन व पटसन निर्मित सामान का सबसे बड़ा उत्पादक देश है?**
(अ) बांग्लादेश (ब) चीन
(स) भारत (द) श्रीलंका (स)

13. **भारत में दूसरा सर्वाधिक महत्वपूर्ण धातु शोधन उद्योग है?**
(अ) लोहा (ब) तांबा
(स) सोना (द) एल्यूमिनियम (द)

14. **भारत में चीनी मिलो की सर्वाधिक संख्या वाले राज्यों का समुह है।**
(अ) राजस्थान-गुजरात (ब) बिहार- उत्तरप्रदेश
(स) गुजरात- हरियाणा (द) कर्नाटक-महाराष्ट्र (ब)

15. **किस क्षेत्र के उत्पादक कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते है?**
(अ) तृतीयक (ब) प्राथमिक
(स) द्वितीयक (द) चतुर्थक (स)

अतिलघुतरात्मक प्रश्न

1. **विनिर्माण क्या है?**

उत्तर - कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहा जाता है।

2. **सीमेंन्ट का पहला कारखाना कब और कहाँ खोला गया?**

उत्तर - पहला सीमेंट उद्योग सन् 1904 में चैन्नई में लगाया गया था।

शेखावाटी मिशन - 100

3. भारत में सबसे महत्वपूर्ण कृषि आधारित उद्योग का नाम बताइये।।

उत्तर - सूती वस्त्र उद्योग।

4. किस शहर को भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स राजधानी के रूप में जाना जाता है।

उत्तर - बेंगलूरू

5. दो कृषि आधारित उद्योगों का उदाहरण दीजिए।

उत्तर - सूती वस्त्र उद्योग और पटसन उद्योग

6. राष्ट्रीय पटसन नीति कब अपनायी गई?

उत्तर - सन् 2005 में

7. किस क्षेत्र के उत्पादक कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं?

उत्तर - द्वितीय क्षेत्र

8. SAIL का शब्द विस्तार कीजिए।

उत्तर - स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया।

9. आधारभूत उद्योग का उदाहरण है।

उत्तर - लोहा इस्पात उद्योग।

10. किस रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है?

उत्तर - जूट के रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है।

11. विश्व में किसी देश के विकास का पैमाना मापा जाता है?

उत्तर- उस देश में इस्पात के उत्पादन व होने वाली खपत द्वारा ।

12. एल्यूमिनियम उद्योग की स्थापना के दो महत्वपूर्ण कारक है?

उत्तर- (i) नियमित उर्जा की पूर्ती (ii) कम कीमत पर कच्चे माल की उपलब्धता

13. वायु प्रदूषण के लिए प्रमुख उत्तरदायी गैसे कौनसी है?

उत्तर- सल्फर डाईऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड।

14. भारत में मुख्य अपशिष्ट पदार्थ है?

उत्तर- फ्लाई एश, फोस्फो- जिप्सम तथा लोहा - इस्पात की अशुधियाँ

15. परमाणु उर्जा संयंत्रो के अपशिष्ट से मुख्यत: कौनसी बीमारियाँ होती है?

उत्तर- कैंसर, जन्मजात विकार तथा अकाल प्रसव ।

16. बॉक्साइट अयस्क से कौनसी धातु प्राप्त होती है?

उत्तर- एल्यूमिनियम

17. उद्योगो का नगरों के आस-पास ही केन्द्रित होना कहलाता है?

उत्तर- समूहन बचत

18. खनिज आधारित उद्योग है?

उत्तर- लौह इस्पात, सीमेंट मशीन, औजार, पेट्रोरसायन उद्योग।

19. मौसमी उद्योग का उदाहरण है?

उत्तर- चीनी उद्योग।

20. ढलवा/स्पंज लोहे से लौहा -इस्पात क्या मिलाकर प्राप्त किया जाता है?

उत्तर- मैगनीज, निकल, क्रोमियम

21. लौह- इस्पात में लौह अयस्क, कोकिंग कोल तथा चूना पत्थर का अनुपात है?

उत्तर- **4 : 2 : 1**

22. SAIL का शब्द विस्तार कीजिए -

उत्तर- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया।

23. बर्तमान समय इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

उत्तर- चीन ।

24. सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों को इस्पात किसके माध्यम से बेचा जाता है?

उत्तर- SAIL

25. किन्ही दो प्रमुख उपभोक्ता उद्योग के नाम बताइए-

उत्तर- 1. चीनी उद्योग 2. कागज उद्योग

26. भारत का प्रथम सूती वस्त्र उद्योग कहाँ लगाया गया-

उत्तर- मुम्बई

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 12

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

कुल अंक-3 (वस्तुनिष्ठ प्र.1 - 1 अंक, रिक्तस्थान - 1, अंक -1,अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

1. निम्न में से कौनसा राज्य हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) महाराष्ट्र
(स) गुजरात (द) उत्तरप्रदेश (ब)

2. निम्न में से परिवहन का कौनसा साधन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है?
(अ) रेल परिवहन (ब) पाइप लाइन
(स) सड़क परिवहन (द) जल परिवहन (ब)

3. भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पतन है?
(अ) पारादीप (ब) विशाखापट्टनम
(स) चैन्नई (द) कांडला (द)

4. निम्न में से कौन से दो दूरस्थ स्थित स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हैं?
(अ) मुम्बई तथा नागपुर (ब) सिलचर तथा पोरबंदर
(स) मुंबई तथा कोलकात्ता
(द)नागपुर तथा सिलिगुड़ी (ब)

5. इनमें से कौनसा पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है जो अंत: स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पत्तन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?
(अ) चेन्नई (ब) पारादीप
(स) तूतीकोरिन (द) विशाखापट्टनम (द)

6. निम्न में से कौनसा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?
(अ) आंतरिक व्यापार (ब) बाहरी व्यापार
(स) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (द) स्थानीय व्यापार (स)

7. मुम्बई समुद्री पत्तन की भीड़ को कम करने के लिए किस नए पत्तन का विकास किया गया?
(अ) चैन्नई (ब) कांडला
(स) मार्मागाओ (द) जवाहरलाल नेहरू (द)

8. निम्न में से कौन सा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है?
(अ) पाइपलाइन (ब) सड़क परिवहन
(स) रेल परिवहन (द) वायु परिवहन (स)

9. भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण कब किया गया-
(अ) 1952 (ब) 1953
(स) 1951 (द) 1948 (ब)

10. वर्तमान समय भारत में रेल-खण्डों की संख्या है।
(अ) 13 (ब) 14
(स) 15 (द) 16 (द)

11. देश का कितना प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री मार्गो द्वारा होता है।
(अ) 95 (ब) 96
(स) 93 (द) 94 (अ)

12. देश का लगभग 50 प्रतिशत लौह-अयस्क निर्यात करने वाला पतन है-
(अ) कोची (ब) मारमागाओं
(स) कंाडला (द) मुंबई (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. परिवहन, संचार व .... एक दूसरे के पुरक है-
उत्तर- व्यापार

2. विश्व में सर्वाधिक सड़क मार्ग जाल वाला देश .... है।
उत्तर- भारत

3. .... को राष्ट्र का आर्थिक बैरोमीटर भी कहा जाता है।
उत्तर- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

4. कार्ड व लिफाफा बंद चिट्ठी .... श्रेणी की डाक समझी जाती है।
उत्तर- पहली/प्रथम

5. रजिस्टर्ड पैकेट, किताबे अखबार व मैग्जीन .... श्रेणी की डाक समझी जाती है।
उत्तर- द्वितीयक

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. सीमा सड़क संगठन का गठन कब व क्यों किया गया।
उत्तर- 1960 में देश के सामरिक महत्व की सड़कों का विकास करने के लिए।

शेखावाटी मिशन - 100

2. विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग है।

उत्तर- अटल -टनल (9.02 किलोमीटर) जो हिमालय की पीरपंजाल पर्वत माला में है।

3. व्यापार सन्तुलन से आप क्या समझते है?

उत्तर- यदि आयात व निर्यात मूल्य लगभग समान हो तो उसे व्यापार सन्तुलन कहते है।

4. पूर्व-पश्चिम गलियारा से आप क्या समझते है?

उत्तर- भारत के पूर्व में स्थित सिलचर (असम) को पश्चिम में स्थित पोरबन्दर (गुजरात) को सड़क मार्ग से जोड़ना।

5. उत्तर-दक्षिण गलियारा से आप क्या समझते है?

उत्तर- भारत के उत्तर में स्थित श्रीनगर (जम्मु-कश्मीर) को भारत के दक्षिण में स्थित कन्याकुमारी (तमिलनाडु) को सड़क मार्ग द्वारा जोड़ना।

6. भारत की समुद्री तट रेखा पर प्रमुख व मध्यम पत्तनों की संख्या है?

उत्तर- 12 प्रमुख व 200 मध्यम व छोटे पत्तन है।

7. भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग कौनसा व किन स्थानों को जोड़ता है?

उत्तर- राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07, वाराणसी से कन्याकुमारी तक।

8. देश की पहली रेलगाड़ी कब व कहाँ चलाई गई?

उत्तर- 1853 में मुंबई से थाणे के मध्य।

9. हाल ही में बड़े शहरों व नगरों में छः कौनसे डाक मार्ग बनाये गये है?

उत्तर- राजधानी मार्ग, मेट्रो चैनल, ग्रीन चैनल, व्यापार चैनल, भारी चैनल, दस्तावेज चैनल।

10. स्वर्णिम चतुर्भुज महामार्ग/परियोजना से आप क्या समझते है?

उत्तर- भारत के महानगरों (दिल्ली-मुंबई-चैन्नई-कोलकाता-दिल्ली) को 6 लेन के सड़क मार्ग से जोड़ना।

11. भारत के प्रमुख जल मार्ग-

उत्तर- **जल मार्ग न. 01** - हल्दिया तथा इलाहाबाद के मध्य, गंगा जलमार्ग - 1620 किमी लम्बा।

जल मार्ग न. 02 - सदिया व धुबरी के मध्य, ब्रह्मपुत्र नदी पर- 891 किमी लम्बा।

12. भारत के पश्चिमि तट पर स्थित बन्दरगाह-

उत्तर- **1. कांडला-** इसे दीनदयाल पतन के नाम से भी जाना जाता है।

2. मुंबई बृहत्तम- यह प्राकृतिक खुला पत्तन है।

इसका दबाव कम करने के लिए जवाहर लाल नेहरू पत्तन विकसित किया गया।

3. मारमागाओं- गोवा में स्थित।

लौह अयस्क का सर्वाधिक निर्यात।

4. न्यू मैग्लोर- कर्नाटक में।

कुद्रेमुख खानों से निकले लौह-अयस्क का निर्यात करता है।

5. कोच्ची- लेगून झील के मुहाने पर स्थित प्राकृतिक पत्तन।

13. भारत के पूर्वी तट पर स्थित बन्दरगाह-

उत्तर- **1. चेन्नई-** देश का प्राचीनतम पत्तन।

व्यापार की मात्रा व सामान लादने में दुसरा स्थान (प्रथम- मुंबई)

2. विशाखापट्नम- स्थल से घिरा, गहरा व सुरक्षित पत्तन

3. तूती कोरन- तमिलनाडु में स्थित

मालवदीव, श्रीलंका से व्यापार में सहायक

4. पाराद्वीप- ओडिशा में स्थित लौह अयस्क का निर्यात करता है।

5. कोलकात्ता- गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन पर अंतः स्थलीय नदीय पत्तन है।

हुगली नदी की तलछट पर गाद इसकी प्रमुख समस्या।

6. हल्दिया- कोलकाता पत्तन का दबाव कम करने के लिए निर्मित।

14. सड़क परिवहन के दो प्रमुख महत्त्व लिखिए।

उत्तर- 1. घर-घर सेवाएं उपलब्ध करवाता है।

2. कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में उपयोगी।

15. पाइप लाइन परिवहन क्या है?

उत्तर- कच्चा तेल, पट्रोलीयम उत्पाद, प्राकृतिक गैस, दुध को उत्पादन स्थान से औद्योगिक क्षेत्रों तक पाईप लाईन द्वारा पहुँचाना।

16. सीमांत सड़कों का महत्त्व बताईए-

उत्तर- दुर्गम क्षेत्रों तक अधिगम्यता बढ़ाकर इनके आर्थिक विकास में सहायक है।

17. भारत की प्रमुख आयातित वस्तुओं के नाम बताइए-

उत्तर- कच्चा पेट्रोलियम तथा उत्पाद, रत्न व जवाहरात आधारित, धातुएँ, मशीनें, कृषि व अन्य उत्पाद शामिल है।

18. भारतीय रेल के तीनों गेजों के नाम बताइए?

उत्तर- 1. ब्रॉड गेज (बड़ी लाइन)

2. मीटर गेज (छोटी लाइन)

3. नैरो गेज (संकरी लाइन)

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 13

सत्ता की साझेदारी

कुल अंक-4 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1,लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

1. सरकार के विभिन्न अंगों में सत्ता का बंटवारा कहलाता है-
(अ) सत्ता का क्षैतिज वितरण
(ब) सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण
(स) सत्ता का विभिन्न समूहों के मध्य वितरण
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (अ)

2. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(अ) लंदन (ब) पेरिस
(स)ब्रूसेल्स (द) जिनेवा (स)

3. श्रीलंका को स्वतंत्रता प्राप्त हुई -
(अ) 1947 में (ब) 1948 में
(स)1950 में (द) 1956 में (ब)

4. श्रीलंका की आबादी में सबसे बड़ा हिस्सा किस प्रमुख सामाजिक समूह का है-
(अ) सिंहली (ब) भारतीय तमिल
(स)श्रीलंकाई तमिल (द) ईसाई (अ)

5. बेल्जियम में डच भाषी क्षेत्र है-
(अ) वेलोन (ब) ब्रसेल्स
(स)फ्लेमिश (द) उपर्युक्त सभी (स)

6. बेल्जियम में केन्द्र और राज्य सरकार के अलावा तीसरे स्तर की सरकार होती है-
(अ) पंचायती राज (ब) नगरीय सरकार
(स)अल्पमत सरकार (द) सामुदायिक सरकार (द)

7. श्रीलंका में सिहंली भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया-
(अ) 1948 में (ब) 1956 में
(स)1968 में (द) 1976 में (ब)

8. निम्न में से किस देश ने 1970 से 1993 के मध्य अपने संविधान में चार संशोधन किए-
(अ) श्रीलंका (ब) भारत
(स)नेपाल (द) बेल्जियम (द)

9. लोकतांत्रिक देशों में देश में एकता तभी संभव है जब-
(अ) बहुसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यकों पर प्रभुत्व कायम करता है।
(ब) बहुसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यकों को सत्ता में हिस्सेदार न बनाएं।
(स)सभी समुदायों व क्षेत्रों की भावना का आदर किया जाये।
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (स)

10. निम्न में से किस देश के साथ बेल्जियम की सीमाएं नहीं लगती है-
(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस
(स)नीदरलैड्स (द) जर्मनी (अ)

11. किस देश में सत्ता का बंटवारा सामाजिक समूहों में होने पर सामुदायिक सरकार दिखाई देती है-
(अ) श्रीलंका (ब) बेल्जियम
(स) ब्रिटेन (द) भारत (अ)

12. किस देश में दो समुदायों के बीच पारस्परिक अविश्वास ने बड़े टकराव का रूप ले लिया-
(अ) श्रीलंका (ब) बेल्जियम
(स) ब्रिटेन (द) भारत (अ)

13. बेल्जियम निम्न में से किस महाद्वीप का देश है-
(अ) यूरोप (ब) उत्तरी अमेरिका
(स)एशिया (द) आस्ट्रेलिया (अ)

14. श्रीलंका में गृह युद्ध का अंत कब हुआ?
(अ) 1848 में (ब) 2004 में
(स) 2005 में (द) 2009 में (द)

15. बेल्जियम में अधिकांश लोग किस भाषा को बोलते है?
(अ) डच (ब) हिन्दी
(स) अंग्रेजी (द) फ्रेंच (अ)

16. श्रीलंका में सामाजिक समूह सिंह लियो का कुल आबादी में कितना प्रतिशत है?
(अ) 75% (ब) 25%
(स) 54% (द) 84 (अ)

शेखावाटी मिशन-100

17. श्रीलंका में सिंहली को एकमात्र राज्य भाषा घोषित किया गया-

(अ) 1956 में (ब) 1953 में

(स) 1950 में (द) 1947 मे (अ)

18. बेल्जिसम की कुल आबादी का कितना प्रतिशत फ्लेमिश इलाके में रहती है?

(अ) 50 प्रतिशत (ब) 59 प्रतिशत

(स) 70 प्रतिशत (द) 60 प्रतिशत (ब)

19. कौनसा देश बेल्जियम की सीमा से नहीं लगता?

(अ) निदरलैण्ड (ब) फ्रांस

(स) जर्मनी (द) इटली (द)

20. सत्ता की साझेदारी जरूरी है-

(अ) वोट बैंक के लिए

(ब) कानूनों एवं आजादी के लिए

(स) तानाशाही के लिए

(द) बुद्धमान एवं नैतिकता के लिए (द)

21. शक्ति का उर्ध्वाधर वितरण कौनसी शासन प्रणाली में होता है?

(अ) अध्यक्षात्मक (ब) तानाशाही

(स) एकात्मक (द) संघात्मक (द)

22. भारत का प्रथम लोकसभा चुनाव कब आयोजित हुआ?

(अ) 1971 (ब) 1964

(स) 1951 (द) 1997 (स)

23. एथनीक या जातीय शब्द किसे दर्शाता है?

(अ) अलग-अलग धर्मो

(ब) सामाजिक विभाजन सांस्कृतिक रूप

(स) अलग-अलग समूहों में हिंसक द्वेष

(द) अलग-अलग राज्यों को (ब)

24. श्रीलंका की जातीय बुनावट को कौनसा कथन सही दर्शाता है?

(अ) सिंहली-80 प्रतिशत, तमिल- 20 प्रतिशत

(ब) सिंहली- 60 प्रतिशत, तमिल-40 प्रतिशत

(स) सिंहली-74 प्रतिशत, तमिल-18 प्रतिशत

(द) सिंहली-76 प्रतिशत, तमिल-18 प्रतिशत (स)

25. बेल्जियम ने सफलतापूर्वक अपनी समस्या को सुलझाया कैसे?

(अ) बहुसंख्यकवाद को नकार कर

(ब) सत्ता की साझेदारी

(स) अलग-अलग समूह व समुदाय का सम्मान

(द) सभी (द)

26. श्रीलंका में तमिलों की सह-समूह कौनसे थे?

(अ) सिंहली तमिल और श्रीलकाई तमिल

(ब) श्रीलंकाई तमिल व भारतीय तमिल

(स) कोलम्बो तमिल और भारतीय तमिल

(द) कोलम्बो तमिल और सिंहली तमिल (ब)

27. किस समयावधी में डच ओर फ्रेंच बोलने वाले लोगों के बीच तनाव पैदा हुआ?

(अ) 1940 से 1950 (ब) 1950 से 1960

(स) 1970 से 1980 (द) 1980 से 1990 (ख)

28. वेल्जियम के फ्लेमिश इलाके में रहने वाले 50 प्रतिशत लोग कोनसी भाषा बोलते है?

(अ) स्वेनिश (ब) अंग्रेजी

(स) डच (द) सिंहली (स)

अतिलघुतरात्मक प्रश्न

1. सरकार के विभिन्न अंगों के नाम लिखिए।

उत्तर - (1) विधायिका (2) कार्यपालिका (3) न्यायपालिका

2. किस देश की सामुदायिक सरकार सत्ता के बंटवारे का अच्छा उदाहरण है।

उत्तर - बेल्जियम

3. सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण क्या है?

उत्तर - उच्चतर एवं निम्नतर स्तर की सरकारों के मध्य सत्ता का विभाजन सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण कहलाता है।

4. बेल्जियम की सामुदायिक सरकार और श्रीलंका की बहुसंख्यकवादी सरकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बेल्जियम की सामुदायिक सरकार का चयन एक ही भाषा बोलने वाले लोग करते है जबकि श्रीलंका की बहुसंख्यकवादी सरकार में एक समुदाय (सिंहली) का ही प्रमुख रहता है।

5. सत्ता का क्षैतिज वितरण किसे कहते है?

उत्तर - विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच सत्ता के बंटवारे को सत्ता का क्षैतिज वितरण कहते है।

6. नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था किसे कहते है?

उत्तर - वह व्यवस्था जिसमें सरकार का प्रत्येक अंग एक दूसरे को नियंत्रित करता है। जिससे सत्ता का संतुलन स्थापित बना

शेखावाटी मिशन - 100

रहता है।

7. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी संघर्ष की संभावनाओं को कम करता है तथा प्रजातान्त्रिक भावनाओं के अनुकूल है।

8. बहुसंख्यकवाद कायम करने के लिए श्रीलंका सरकार द्वारा उठाये गये एक कदम का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 1956 में सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित करना।

9. 1950 और 1960 के दशकों के बीच ब्रूसेल्स में दो समुदायों के बीच प्रखर समस्या क्या थी।

उत्तर - भाषाई विविधता

10. बेल्जियम में कौन सी भाषा बोलने वाले लोग समृद्ध व ताकतवर रहे है-

उत्तर - फ्रेंच भाषी

11. बेल्जियम को समाज की जातीय बनावट की दृष्टि से किसने भागों में बांटा जा सकता है।

उत्तर - चार क्षेत्रों में - (1) राजधानी क्षेत्र - ब्रूसेल्स (2) फ्रेंच भाषी क्षेत्र - बेलोनिया (3) डच भाषी क्षेत्र - फ्लेमिश (4) जर्मन भाषी क्षेत्र

12. लोकतंत्र का बुनियादी सिद्धांत क्या है?

उत्तर- जनता ही समस्त राजनीतिक शक्ति का स्त्रोत है।

13. यूरोपीय संघ कामुख्यालय कहाँ है?

उत्तर- ब्रूसेल्स

14. बेल्जियम में नेताओं ने 1990 और 1993 के बीच अपने संविधान में कितने संशोधन किया-

उत्तर- चार संशोधन

15. किस देश में दो समुदायों के बीच पारास्परिक अविश्वास से गृहयुद्ध का रूप ले लिया-

उत्तर- श्रीलंका में

16. गृहयुद्ध से आप क्या समझते है?

उत्तर- किसी देश में सरकार विरोधी समूहों की हिंसक लड़ाई ऐसा रूप ले-ले कि वह युद्ध सा लगे तो उसे गृहयुद्ध कहते है।

17. सत्ता की साझेदारी का नैतिक तर्क क्या है?

उत्तर- सत्ता की साझेदारी का नैतिक तर्क है कि यह लोकतंत्र की आत्मा है।

18. बेल्जियम में वर्तमान में कौनसी शासन प्रणाली है?

उत्तर- संघात्मक शासन प्रणाली

19. सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ है?

उत्तर- सत्ता की साझेदारी अलग-अलग समूहों में सत्ता के बँटवारे की प्रक्रिया है ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूप कौन कौन से है?

उत्तर - लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के निम्न चार रूप विद्यामान है-

(1) एक ही सरकार के विभिन्न अंगों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) के मध्य सत्ता का विभाजन

(2) सरकार के विभिन्न स्तरों (केन्द्र सरकार, राज्य और स्थानीय सरकार) के मध्य सत्ता का विभाजन

(3) विभिन्न सामाजिक समूहों (धार्मिक, भाषायी पिछड़े और अल्प संख्यक समूह) के मध्य सत्ता का विभाजन

(4) विभिन्न राजनीतिक दलों, दबाव समूहों, किसानों औद्योगिक मजदूरों एवं आन्दोलनों के मध्य सत्ता का विभाजन।

2. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी की आवश्यकता -

(1) सामाजिक समूहों के मध्य टकराव को कम करती है। (2) यह लोकतंत्र की आत्मा है। (3) समानता की पोषक व सभी के हितों की सुरक्षा (4) व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा (5) स्थानीय स्वशासन का विकास (6) योग्य एवं कुशल शासन व्यवस्था।

3. सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ हैं?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी अलग-अलग समूहों में सत्ता के बँटवारे की प्रक्रिया है। ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। लोकतंत्र का बुनियादी सिद्धान्त है कि जनता ही सारी राजनीतिक शक्ति का स्रोत है अत: विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को टालने के लिए सत्ता में हिस्सेदारी दे देनी चाहिए।

4. श्रीलंका में तमिलो की प्रमुख मांगे क्या-क्या थी-

उत्तर - (1) तमिल भाषा को भी राजभाषा का दर्जा दिया जाये।

(2) शिक्षा व सरकारी सेवाओं में सिहलियों के समान अवसर प्रदान किये जाये।

(3) तमिल बहुल क्षेत्रों को स्वायत्तता प्रदान की जाये।

5. विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य सत्ता के बंटवारे के कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर - (1) बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का गठन

(2) भारत में सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों व महिलाओं को विधायिका एवं सरकारी सेवाओं में आरक्षण की व्यवस्था।

शेखावाटी मिशन-100

6. बहुसंख्यकवाद से क्या तात्पर्य है? उदाहरण दे।

उत्तर – बहुसंख्यकवाद का आशय अल्पसंख्यकों की इच्छाओं और आवश्यकताओं की अवहेलना करते हुए बहुसंख्यक समुदाय को मनचाहे ढंग से शासन करने के अधिकार देने से है। उदाहरण – श्रीलंका जहां सिंहलियों का वर्चस्व है।

7. श्रीलंका में कितने जातीय समूह के लोग रहते हैं।

उत्तर – श्रीलंका में सिंहली, श्रीलंकाई मूल के तमिल, ईसाई तथा मुसलमान जातीय समुदाय रहते है।

8. श्रीलंका में दो समुदायों के बीच पारस्परिक अविश्वास ने एक बड़े टकराव का रूप ले लिया। कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– श्रीलंका में सिहली एवं तमिल लोगों के बीच पारस्परिक अविश्वास ने एक बड़े टकराव का रूप ले लिया। यह टकराव गृहयुद्ध में परिणित हो गया, परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के हजारों लोग मारे गये। अनेक परिवार आपने देश से भागकर शरणार्थी बन गये। अनेक लोगों का व्यवसाय चौपट हो गया। इस गृहयुद्ध ने श्रीलंका के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन में अनेक परेशानियाँ उत्पन्न की है।

9. शासन के विभिन्न अंगों के बीच किस प्रकार सत्ता का बाँटवारा होता है? स्पष्ट की-

उत्तर– प्रत्येक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार के तीन अंग होते है–

1. विधायिका 2. कार्यपालिका और 3. न्यायपालिका

विधायिका का कार्य कानून का निर्माण करना है कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करना है और न्यायपालिका अपनी व्याख्या करती है तथा उन व्यक्तियों को दंड देती है जो कर का उल्लंघन करते है। सरकार के तीनों अंगों के कार्यो का इस प्रकार विभाजन होता है। किसी एक अंग के पास असीमित शक्तियाँ एकत्रित न हो और प्रत्येक अंग दूसरे अंग पर नियंत्रण रखता हो। इससे शक्ति संतुलन बना रहता है तथा शासन सुचारू रूप से चलता है।

10. बहुसख्यकवाद को बनाए रखने के लिए श्रीलंका की सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाये गए है?

उत्तर– 1. सिंहली भाषा को राजभाषा घोषित कर दिया।

2. सिंहली लोगों को सरकारी नौकरियों तथा अन्य क्षेत्रों में प्राथमिकता देकर कई प्रकार की सुविधाएं दी।

3. बौद्ध धर्म को संरक्षण और बढ़ावा देने की बात कहीं गयी हैं।

4. विश्व विद्यालयों में सिंहलियों को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई गई।

11. सत्ता के क्षैतिज वितरण और ऊर्ध्वाधर वितरण में कोई दो अंतर बताइए-

उत्तर– 1. क्षैतिज वितरण में सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता का वितरण होता है जबकि ऊर्ध्वाधर वितरण में सत्ता का वितरण क्षैतिज स्तरों में होता है।

2. क्षैतिज वितरण में एक ही स्तर पर सरकार के अंगों के बीच सत्ताका बँटवारा होता है जबकि ऊर्ध्वाधर वितरण में सरकार की शक्तियों का विकास विभिन्न स्तरों के बीच होता है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 14

संघवाद

कुल अंक-4 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1,दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -3)

1. **संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज भाषाओं की संख्या है?**
(अ) 21 (ब) 20
(स)22 (द) 24 (स)

2. **निम्नलिखित में से किस राज्य को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत विशेष शक्तियां प्राप्त है?**
(अ) असम (ब) नागालैण्ड
(स)मिजोरम (द) ये सभी (द)

3. **संघात्मक शासन प्रणाली में अधिकारों का विभाजन होता है?**
(अ) केन्द्र एवं राज्यों के बीच
(ब) एक राज्य एवं अन्य राज्यों के बीच
(स)व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका के बीच
(द) व्यवस्थापिका एवं न्यायापालिका के बीच (अ)

4. **निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची में शामिल है?**
(अ) पुलिस (ब) रक्षा
(स)कृषि (द) शिक्षा (द)

5. **नगर निगम के अध्यक्ष को कहा जाता है-**
(अ) मेयर (ब) सभापति
(स)राज्यपाल (द) सरपंच (अ)

6. **शासन की किस व्यवस्था में सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती हैं-**
(अ) एकात्मक व्यवस्था (ब) संघीय व्यवस्था
(स)सामुदायिक व्यवस्था (द) इसमें से कोई नहीं (ब)

7. **निम्नलिखित में से किस राज्य का गठन भाषा के आधार पर नहीं हुआ है-**
(अ) नागालैण्ड (ब) उत्तराखण्ड
(स)झारखण्ड (द) उपर्युक्त सभी (द)

8. **निम्न में से कौनसा संघीय राज्य नहीं है?**
(अ) दिल्ली (ब) मणिपुर
(स)राजस्थान (द) तेलंगाना (अ)

9. **संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार किसके पास होता है-**
(अ) न्यायालय (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) मुख्यमंत्री (अ)

10. **साथ आकर संघ बनाने का उदाहरण है-**
(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) बेल्जियम (द) स्पेन (ब)

11. **निम्न में से कौनसा राज्य साथ रहकर संघ का उदाहरण नहीं है-**
(अ) भारत (ब) बेल्जियम
(स) स्पेन (द) स्विट्जरलैण्ड (द)

12. **केन्द्र एवं राज्य के मध्य विधायी अधिकारों को कितने हिस्से में बाँटा गया है-**
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच (ब)

13. **निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची का नहीं है-**
(अ) शिक्षा (ब) वन
(स) सिंचाई (द) विवाह (स)

14. **निम्नांकित में से संघ सूची का विषय नहीं है-**
(अ) राष्ट्रीय सुरक्षा (ब) विदेशी मामले
(स) बैकिंग (द) शिक्षा (द)

15. **निम्न में से कौनसा विषय संविधान में शक्ति वितरण की किसी भी सूची में नहीं है-**
(अ) शिक्षा (ब) व्यापार
(स) वैदेशिक सम्बंध (द) कम्प्यूटर साफ्टवेयर (द)

16. **भारतीय संविधान में निम्न में से कौनसा विषय संघसूची में रखा गया है-**
(अ) प्रतिरक्षा (ब) पुलिस
(स) कृषि (द) व्यापार (अ)

17. **निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची में शामिल है-**
(अ) पुलिस (ब) रक्षा
(स) विदेश मामले (द) शिक्षा (द)

शेखावाटी मिशन - 100

18. पंचायती राज व्यवस्था में महिला के लिए आरक्षण का प्रावधान है-

(अ) 1/2 (ब) 3/4

(स) 1/4 (द) 1/3 (द)

19. भारत में विकेन्द्रीकरण की दशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया-

(अ) 1971 (ब) 1992

(स) 1999 (द) 2005 (ब)

20. व्यापार किस सूची में संबंधित है-

(अ) राज्य सूची (ब) समवर्ती सूची

(स) संघ सूची (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

21. विदेशी मामले किस सूची से संबंधित विषय है-

(अ) राष्ट्र सूची (ब) संघ सूची

(स) समवर्ती सूची (द) इनमें से कोई नहीं (ब)

22. भारत में कौनसी शासन प्रणाली है?

(अ) एकात्मक (ब) संघात्मक

(स) राजतंत्र (द) तानाशाही (ब)

23. शिक्षा जंगत व्यापार किस सूची के विषय है?

(अ) संघ सूची (ब) राज्य सूची

(स) समवर्ती सूची (द) अवशिष्ट सूची (स)

24. निम्न में से कौनसी भाषा अनुसूचित भाषा की श्रेणी में नहीं जाती ?

(अ) राजस्थानी (ब) सिंधी

(स) अवधी (द) नेपाली (अ)

25. पंचायती राज व्यवस्थाओं में शामिल किया जाता है-

(अ) गांव, खण्ड स्तर व जिला स्तर

(ब) गांव व राज्य स्तर

(स) गांव, जिला व राज्य स्तर

(द) गांव, राज्य व केन्द्र स्तर (अ)

26. निम्न में से कौनसे देश है, जो संघात्मक व्यवस्था का अनुसरण नहीं करते है?

(अ) स्पेन, स्पीडन, ब्रिटेन

(ब) भारत, कनाड़ा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया

(स) अमेरिका, स्पेन, हॉलेण्ड

(द) चीन, श्रीलंका, जापान, इटली (द)

27. निम्न में से किन राज्य का गठन भाषा के आधार पर हुआ है-

(अ) नागालैण्ड (ब) उत्तराखण्ड

(स) झारखण्ड (द) तलिनाडु (द)

28. किस सूची के विषयों पर राज्य व केन्द्र सरकार दोनों कानून बना सकती है?

(अ) संघ सूची (ब) राज्य सूची

(स) समवर्ती सूची (द) अपशिष्ट सूची (स)

29. सूची-I को सूची-II के साथ सही मिलान करों-

(अ) संघ सरकार	(i) प्रधानमंत्री
(ब) राज्य	(ii) सरपंच
(स) नगरपालिका	(iii) गवर्नर
(द) ग्राम पंचायत	(iv) महापौर (मेयर)

(अ) अ-i, ब-ii, स-iv, द-iii

(ब) अ-i, ब-iii, स-ii, द-iv

(स) अ-ii, ब-iv, स-iii, द-i

(द) अ-i, ब-iv, स-iii, द-iv (अ)

30. कौनसा बिन्दु विकेन्द्रीकरण से सम्बंधित नहीं है?

(अ) स्थानीय निकायों के समय पर चुनाव

(ब) 1/3 पद महिलाओं के लिए

(स) एससी,एसटी के लिए सिटो का आरक्षण

(द) गठबंधन सरकार (द)

31. नगरपालिका और ग्राम पंचायत का राजनीतिक प्रमुख कौन होता है?

(अ) मेयर और सरपंच (ब) डिप्टी कलेक्टर और मेयर

(स) सरपंच और डिप्टी कलेक्टर

शेखावाटी मिशन - 100

(द) मेयर और मुख्यमंत्री (अ)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. संघवाद क्या है? भारत में संघवाद का स्वरूप कैसा है? बताइए।

उत्तर - संघवाद का आशय - संघवाद शासन की वह प्रणाली है जिसमें सत्ता का विभाजन केन्द्रीय प्राधिकार और सरकार की अंगीभूत इकाइयों के मध्य होता है।

भारत में संघवाद का स्वरूप - (1) राज्यों का संघ - भारत में अपनी आन्तरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों के संघ का गठन किया गया है।

(2) त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था - भारतीय संविधान के मूल रूप से दो स्तर की शासन व्यवस्था का प्रावधान किया गया है- (i) संघ या केन्द्र सरकार (ii) राज्य सरकारें। बाद में स्थानीय शासन की संस्थाओं को तीसरे स्तर के रूप में संविधान में मान्यता दी गई।

(3) शक्तियों का विभाजन - भारतीय संविधान में स्पष्ट रूप से केन्द्र और राज्य सरकारों के मध्य विधायी अधिकारों की तीन सूचियों के द्वारा विभाजित किया गया है- (i) संघ सूची (ii) राज्य सूची (iii) समवर्ती सूची

(4) न्यायपालिका की सर्वोच्चता - भारतीय संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका स्वतंत्र व सर्वोच्च है शक्तियों के बंटवारे के संबंध में कोई विवाद होने पर इसका फैसला सर्वोच्च न्यायालय में ही होता है।

(5) समस्त राज्यों को बराबर अधिकार प्राप्त नहीं जैसे असम, नागालैण्ड, मिजोरम को अन्य राज्यों के मुकाबले विशेष अधिकार दिये गये है।

2. सत्ता के विकेन्द्रीकरण से क्या अभिप्राय है? विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच क्या है?

उत्तर - जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहते है। भारत में संघीय सत्ता की साझेदारी तीन स्तरों पर की गई है। (1) केन्द्रीय स्तर (2) राज्य स्तर (3) स्थनीय स्तर। सत्ता के विकेन्द्रीकरण में प्रथम दो स्तरों केन्द्रीय स्तर पर राज्य स्तर से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को प्रदान की जाती है। भारत में स्थनीय सरकारों को सन् 1992 में संविधान संशोधन के माध्यम से अधिक शक्तिशाली बनाया गया है।

विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच -(1)विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच यह है कि अनेक मुद्दों एवं समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही अच्छे तरीके से हो सकता है। लोगों को अपने क्षेत्र की समस्याओं की अच्छी समझ होती है। लोगों को इस बात की भी जानकारी होती है कि पैसा कहाँ खर्च किया जाए और चीजों का अधिक कुशलता से उपयोग किस तरह किया जा सकता है।

(2) स्थानीय स्तर पर लोगों का नीतिगत फैसलों में सीधे भागीदार बनना भी संभव हो जाता है। इससे लोकतांत्रिक भागीदारी की आदत पड़ती है। स्थानीय सरकारों की स्थापना स्वशासन के लोकतांत्रिक सिद्धान्त को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

3. शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूपों में क्या क्या मुख्य अन्तर है। उदाहरण से स्पष्ट करें।

उत्तर - संघीय शासन व्यवस्था - (1) इस शासन के स्वरूप में दो स्तरों पर सरकारें होती है तथा अपने अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर कार्य करती है। (2) इस व्यवस्था में राज्य सरकारों को शक्तियाँ संविधान से प्राप्त होती है। (3) इस व्यवस्था में संघ और राज्य सरकारों के बीच विषयों का विभाजन होता है। (4) इस व्यवस्था में राज्य सरकारें अपने कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार के प्रति जिम्मेदार नहीं होती है। इस व्यवस्था में केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को कुछ विशेष कार्य करने का आदेश नहीं दे सकती है उदाहरण - भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, बेल्जियम, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया ।

एकात्मक शासन व्यवस्था - (1) इस शासन के स्वरूप में शासन का एक ही स्तर होता है तथा राज्य सरकारें उसके अधीन होकर कार्य करती है। (2) इसमें राज्य सरकारों को अपनी शक्तियाँ केन्द्रीय सरकार से प्राप्त होती है। (3) इस व्यवस्था में विषयों का विभाजन नहीं होता है। (4) इस व्यवस्था में राज्य सरकारें अपने कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार के प्रति जिम्मेदार होती है। (5) इस व्यवस्था में केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को आदेश दे सकती है। उदाहरण - फ्रांस, इंग्लैण्ड, जापान, इटली, हॉलेण्ड

4. संघवाद ने जातीय समस्या को सुलझाने में बेल्जियम की सहायता किस प्रकार की?

उत्तर - बेल्जियम यूरोप महाद्वीप का एक देश है। सन् 1993 ई. से पहले बेल्जियम में अधिकांश शक्तियां केन्द्र सरकार के हाथों में थी। प्रान्तीय सरकारों को नाममात्र के अधिकार प्राप्त थे पर ये अधिकार उनको केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए थे और इन्हें केन्द्र सरकार वापस भी ले सकती थी। अर्थात् बेल्जियम में एकात्मक सरकार थी। 1993 ई. में संविधान संशोधन करने के पश्चात् बेल्जियम में प्रान्तीय सरकारों को कुछ संवैधानिक अधिकार प्रदान किये गये। इन अधिकारों के लिए प्रान्तीय सरकारें अब केन्द्र पर निर्भर नहीं रही। इस प्रकार बेल्जियम

शेखावाटी मिशन - 100

ने एकात्मक शासन के स्थान पर संघीय शासन प्रणाली को अपनाया जिससे जातीय समस्या के समाधान में सहायता प्राप्त हुई।

5. भारतीय संविधान में केन्द्र राज्य सरकारों के मध्य विधायी अधिकारों को कितने भागों में बांटा गया है? विवरण दीजिए।

उत्तर - विधायी अधिकारों को तीन भागों में बाँटा गया है-

संघ सूची - राष्ट्रीय महत्व के विषय केन्द्र सरकार की - प्रतिरक्षा, विदेश, बैंकिग, संचार, मुद्रा।

राज्य सूची - स्थानीय महत्व के विषय राज्य सरकारों की - पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि, सिंचाई।

समवृत्ति सूची - केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते है लेकिन टकराव की स्थिति में केन्द्र द्वारा निर्मित कानून ही मान्य होता है - शिक्षा, वन, मजदूर संघ, विवाह, उत्तराधिकार।

6. भारत में विकेन्द्रीकरण लागू करने के औचित्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियां लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहते है। भारत में सत्ता की साझेदारी तीन स्तरों पर की गई है- (1) केन्द्रीय स्तर (2) राज्य स्तर (3) स्थानीय स्तर।

भारत में स्थानीय सरकारों को सन् 1992 में 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से अधिक शक्तिशाली बनाया गया है।

विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच - (1) अनेक मुद्दों एवं समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही अच्छे तरीके से हो सकता है लोगों को अपने क्षेत्र की समस्याओं की अच्छी समझ होती है। लोगों को यह जानकारी होती है कि पैसे कहां खर्च करने है और चीजों को अधिक कुशलता से कैसे उपयोग कर सकते है। (2) स्थानीय स्तर पर लोगों का नीतिगत फैसलों में सीधे भागीदार बनना भी संभव हो जाता है। स्थानीय सरकारों की स्थापना स्वशासन के लोकतांत्रिक सिद्धान्त को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

7. भारत में केन्द्र राज्य सम्बन्धों में आये बदलावों के मध्येनजर संघीय व्यवस्था में सत्ता की साझेदारी आज ज्यादा प्रभावी है। स्पष्ट करें।

उत्तर - भारत में केन्द्र-राज्य संबंधों में लगातार आये बदलावों के कारण व्यवहार में संघवाद बहुत मजबूत हुआ है और आज उनके बीच सत्ता की साझेदारी ज्यादा प्रभावी है। स्वतंत्रता के पश्चात् काफी लम्बे समय तक हमारे यहां एक ही पार्टी की केन्द्र और अधिकांश राज्यों में शासन रहा, इसका व्यवहारिक प्रभाव यह पड़ा कि राज्य सरकारों ने स्वायत्त संघीय इकाई के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग ही नहीं किया। इसके बाद जब केन्द्र और राज्य में अलग-अलग दलों की सरकारें बनी तो केन्द्र सरकार ने राज्यों के अधिकारों की अनदेखी करने की कोशिश की। उन दिनों में केन्द्र सरकार अक्सर संवैधानिक प्रावधानों का दुरूपयोग करके विपक्षी दलों की राज्य सरकारों की भंग कर देती थी। यह संघवाद की भावना के प्रतिकुल काम था।

सन् 1990 के बाद से इस स्थिति में कुछ सुधार आया। इस अवधि में देश में अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। इसी दौर में केन्द्र में गठबंधन सरकारों की शुरूआत हुई। चूंकि किसी एक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला इसलिए प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों को क्षेत्रिय दलों समेत अनेक पार्टियों का गठबंधन बनाकर सरकार बनानी पड़ी इससे सत्ता में साझेदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्ता का आदर करने की नई संस्कृति पनपी। इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों से राज्य सरकारों को मनमाने ढंग से भंग करना केन्द्र सरकार के लिए मुश्किल हो गया। इस प्रकार आज संघीय व्यवस्था के तहत सत्ता की साझेदारी संविधान के लागू होने के तत्काल बाद वाले दौर की तुलना में ज्यादा प्रभावी है।

8. भारतीय संघीय व्यवस्था की समीक्षा कीजिए-

उत्तर- 1. भारत की संघीय व्यवस्था को भारतीय संविधान नियंत्रित करता है।

2. संघीय व्यवस्था में दोहरा शासन है- एक केन्द्रीय शासन और प्रांतों का शासन।

3. संघीय व्यवस्था में संविधान द्वारा शक्तियों का बंटवारा केन्द्र और राजयों के बीच किया गया है। दोनों ही सरकार अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में स्वतंत्र होती है।

4. संघीय व्यवस्था में केन्द्र और प्रांतों में आपसी विवादों को निपटारा करने के लिए और संविधान के मौलिक प्रावधानों की सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र और सर्वोच्च न्यायपालिका की स्थापना की गई है।

5. भारत में सघीय व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति कार्यकारी संघ का नेता होता है।

6. संघीय व्यवस्था में संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती है ऐसे बदलाव दोनो स्तर की सरकारों की सहमति से होते है।

9. भारत में 73वाँ संविधान संशोधन करके भारतीय लोकतंत्र के स्थायी स्वशासी निकायों को अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बनाने हेतु कौन-कौन से कदम उठाए गए है-

उत्तर- भारत में 1992 में संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा

शेखावाटी मिशन-100

भारतीय लोकतंत्र के स्थान पर स्वशासी निकायों को अधिक शक्तिशाली एवं प्रभावी बनाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए गए।

1. अब स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव 5 वर्ष में कराना संवैधानिक बाध्यता है।

2. स्थानीय निकायों में एसी, एसटी, ओबीसी के लिए सीटे आरक्षित है।

3. कम से कम एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित है।

4. इन निकायों के चुनाव करवाने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।

5. राज्य सरकारों को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा इन निकायों को देना पड़ता है।

10. संघीय व्यवस्था के गठन के तरीकों को सोदाहरण समझाइए-

उत्तर- संघीय व्यवस्था सामान्यत: दो तरीकों से गठित होती है।

1. साथ आकर संघ बनाना 2. साथ लेकर चलने वाला संघ

1. साथ आकर संघ बनाना- इसके अन्तर्गत दो या अधिक स्वतंत्र राष्ट्रों के साथ आकर एक बड़ी इकाई का गठन किया जाता है तथा सभी स्वतंत्र राष्ट्र अपनी सम्प्रभुता को साथ रखते है अपनी अलग-अलग पहचान को बनाए रखते है। साथ आकर संघ बनाने का उदाहरण- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, स्विट्जरलैण्ड एवं ऑस्ट्रेलिया आदि है।

2. साथ लेकर चलने वाला संघ -इसके अन्तर्गत एक बड़े देश द्वारा अपनी आन्तरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए राज्यों का गठन किया जाता है तथा फिर राज्य और राष्ट्रीय सरकार के बीच सत्ता का बँटवारा कर दिया जाता है। इसके अन्तर्गत केन्द्र सरकार अधिक शक्तिशाली होती है। भारत, बेल्जियम और जापान इस प्रकार की संघीय शासन व्यवस्था के उदाहरण है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय - 15

जाति धर्म और लैंगिक मसले

कुल अंक-4 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1 + अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1+लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

1. निम्न में से किस देश में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागेदारी का स्तर बहुत ऊँचा है।
(अ) नार्वे (ब) स्वीडन
(स) फिनलैण्ड (द) उपर्युक्त सभी (द)

2. भारत में जनगणना कितने वर्ष पश्चात् होती है-
(अ) 5 वर्ष (ब) 10 वर्ष
(स) 11 वर्ष (द) 20 वर्ष (ब)

3. निम्नलिखित में से किस देश ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया।
(अ) भारत (ब) नेपाल
(स) पाकिस्तान (द) श्रीलंका (अ)

4. निम्न में से किस समाज सुधारक ने जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज व्यवस्था बनाने की बात की और उसके लिए काम भी किया?
(अ) ज्योतिबा फुले (ब) महात्मा गांधी
(स) डॉ. अम्बेडकर (द) उपर्युक्त सभी (द)

5. निम्न में से किस देश में समरूप समाज पाया जाता है?
(अ) स्वीडन (ब) भारत
(स) श्रीलंका (द) इंग्लैण्ड (अ)

6. एक विचारधारा जो अधिकारों एवं अवसरों के मामले में स्त्री व पुरुष को बराबर मानती है वह है-
(अ) साम्प्रदायिक (ब) नारीवादी
(स) तानाशाही (द) जातिवादी (ब)

7. सामाजिक विभाजन अधिकाशतः आधारित होता है-
(अ) मृत्यु पर (ब) वंश पर
(स) परिवार पर (द) जन्म पर (द)

8. निम्न में से किस क्षेत्र की संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सर्वाधिक है-
(अ) भारत (ब) उत्तरी अमेरिकी
(स) नार्डिक देश (द) यूरोप (स)

9. स्थानीय सरकारों में (पंचायती राज) में महिलाओं के लिए कितने पद आरक्षित किये गये हैं?
(अ) एक-चौथाई (ब) एक-तिहाई
(स) आधे (द) दो-तिहाई (ब)

10. भारतीय संविधान के बारे में इनमें से कौनसा कथन गलत है-
(अ) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।
(ब) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।
(स) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।
(द) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है। (ब)

11. जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते है तो हमारा अभिप्राय होता है-
(अ) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर
(ब) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ
(स) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात।
(द) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं को मतदान का अधिकार न मिलना। (ब)

12. भारत में निम्न में से महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है-
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) विधानसभा
(द) पंचायतीराज की संस्थाएं (द)

13. जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन जिस देश में पाया जाता है, वह है-
(अ) इग्लैण्ड (ब) भारत
(स) चीन (द) रूस (ब)

14. धर्म को राष्ट्र का आधार मानने पर कौनसी समस्या शुरू होती है-
(अ) जातिवाद (ब) साम्प्रदायिकता की
(स) लैंगिक अराजकता की (द) क्षेत्रवाद की (ब)

15. साम्प्रदायिकता राजनीति में कौनसा रूप धारण कर सकती है-
(अ) बहुसंख्यवाद का (ब) धार्मिक पूर्वाग्रह का
(स) साम्प्रदायिक हिंसा का (द) उपुर्यक्त सभी (द)

शेखावाटी मिशन-100

16. वह आदमी और महिलाओं पुरूष और महिला के समान हक एवं अवसरों में विश्वास करता है-

(अ) कम्यूनिस्ट (ब) समाजवादी

(स) नारीवादी (द) उदारवादी (स)

17. धर्म को कभी राजनीति से पृथक नहीं किया जा सकता किसने कहा-

(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) W.C. बनर्जी

(स) महात्मा गांधी (द) कोई नहीं (स)

18. लैंगिक विभाजन के लिए सही चुने-

(अ) लैंगिक विभाजन प्राकृतिक है

(ब) यह अपरिवर्तनीय है।

(स) यह जीव विज्ञान पर आधारित है

(द) यह सामाजिक उम्मीद एवं रूढिवादिता पर आधारित है। (द)

19. जाति आधारित विभाजन का बड़ा उद्देक्य क्या होता है?

(अ) गरिब (ब) महिला

(स) अल्पसंख्यक (द) जाति (द)

20. महात्मा गांधी, परिवार, बी.आर. अम्बेडकर क्या थे?

(अ) मंत्री (ब) समाज सुधारक

(स) अर्थशास्त्री (द) सामुदायिक (ब)

21. साम्प्रदायिक राजनीति की जड़े किसमें निहित है?

(अ) जातिवाद में (ब) लैंगिक विभाजन में

(स) धर्म (द) आर्थिक (स)

22. संसार के विभिन्न भागों में महिलाओं ने विभिन्न संगठन गठित किये ये किन अधिकारों के लिए गठित किये!

(अ) राजनीतिक (ब) आर्थिक

(स) सामाजिक (द) समान (द)

23. समान मजदूरी अधिनियम में क्या प्रावधान है?

(अ) समान कार्य का समान वेतन

(ब) महिलाओं को राजनीतिक अधिकार

(स) सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की आधी भूमिका

(द) महिला का समान मजदूरी नहीं (अ)

24. पम्परागत समाज में महिलाओं की भूमिका थी-

(अ) सार्वजनिक कार्य (ब) नीति कार्य

(स) भुगतान कार्य (द) उपरोक्त में से कोई नहीं(द)

25. भारतीय संविधान की एक महत्वपूर्ण विशेषता है-

(अ) असमानता

(ब) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

(स) सामुदायिक

(द) एक व्यक्ति दो वोट (ब)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. समरूप समाज किन देशों में पाया जाता है, कोई दो नाम बताइए।

उत्तर - (1) जर्मनी (2) स्वीडन

2. नारीवादी आन्दोलन क्यों हुए?

उत्तर - पुरुष एवं महिलाओं के असमान अधिकार एवं अवसरों के कारण नारीवादी आन्दोलन हुए।

3. सामाजिक असमानता का कौनसा रूप प्रत्येक स्थान पर दिखाई देता है?

उत्तर - लैगिंक असमानता

4. सामाजिक विभाजन अधिकाशंतः किस पर आधारित होते है-

उत्तर - जाति-धर्म पर

5. विवाह, तलाक, उत्तराधिकार से सम्बन्धित कानून क्या कहलाता है?

उत्तर - पारिवारिक कानून

6. महिलाओं को घरेलू उत्पीड़न से बचाने के लिए कोई एक तरीका सुझाइए -

उत्तर - घरेलू हिंसा अधिनियम एवं अन्य कानूनी नियमों की जानकारी देना।

7. भारत में विभिन्न समुदायों के बीच साम्प्रदायिक सद्भावना बनाने का कोई एक तरीका सुझाइए।

उत्तर - बड़े सार्वजनिक हितों तथा धार्मिक मामलों में राज्य का हस्तक्षेप।

शेखावाटी मिशन - 100

8. वर्ण व्यवस्था से आप क्या समझते हो?

उत्तर - जाति समूहों के पदानुक्रम जिसमें एक जाति समूह के लोग सामाजिक पायदान में सबसे ऊपर रहेंगे और अन्य जाति समूह के लोग क्रमागत रूप से उनके नीचे रहेंगे।

9. लैंगिक विभाजन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर - समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ।

10. धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता यह कथन किसका है?

उत्तर - महात्मा गाँधी

11. 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात, महिला व पुरुष साक्षरता कितनी है।

उत्तर - भारत में लिंगानुपात -943, पुरुष साक्षरता - 82.14, महिला साक्षरता 65.46%।

12. लिंग अनुपात का क्या अर्थ है?

उत्तर - किसी क्षेत्र में 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या को लिंगानुपात कहते हैं।

13. जातिवाद से क्या आशय है?

उत्तर - जब राजनेता चुनावी लाभ के लिए जातिगत चेतना उकेरकर उसका लाभ उठाने का प्रयास करते है तो इस प्रक्रिया को जातिवाद कहा जाता है।

14. साम्प्रदायिक राजनीति का क्या अर्थ है?

उत्तर - जब राजनीति में अन्य धर्मो की तुलना में एक धर्म की श्रेष्ठता दर्शायी जाए तो साम्प्रदायिक राजनीति कहते है।

15. सर्वप्रथम नारीवादी आंदोलन की शुरूआत किस देश से हुई थी?

उत्तर - अमेरिका से।

16. लैंगिक असमानता का आधार क्या है?

उत्तर- प्रचलित रूढ़ छवियाँ और तयशुदा सामाजिक भूमिकाएँ।

17. सर्वप्रथम नारीवादी आन्दोलन की शुरूआत किस देश से हुई थी?

उत्तर- संयुक्त राज्य अमेरिका

18. जातिवाद से हमारे समाज पर पड़ने वाले दो प्रभाव बताएँ-

उत्तर- 1. जातिवाद राष्ट्रीय एकता को कमजोर करता है।

2. जातिवाद धर्म निरपेक्ष समाज के विकास में बाधा डालता है।

19. जातिगत असमानता दूर करने के लिए दो सुझाव दीजिए-

उत्तर- 1. संवैधानिक प्रावधानों का पालन कठोरता से किया जाना चाहिए।

2. शिक्षा के प्रसार से भी जातिगत असमानता को दूर किया जा सकता है।

लघुत्तरात्मकप्रश्न

1. नारीवादी आन्दोलन से आप क्या समझते हो?

उत्तर - महिलाओं के राजनीतिक तथा वैधानिक दर्जे को ऊँचा उठाने के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग करने तथा उनके निजी व पारिवारिक जीवन में भी बराबरी की माँग करने वाले आन्दोलनों को नारीवादी आन्दोलन कहते है।

2. भारत में लैंगिक विषमता/लैंगिक विभाजन का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर - लैंगिक विभाजन से आशय पुरुषों एवं महिलाओं के मध्य कार्य के विभाजन से है कुछ घरेलू कार्य केवल महिलाओं द्वारा किए जाते है जबकि पुरुष कुछ विशेष प्रकार के कार्य करते है।

3. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता के तीन लक्षणों का उल्लेख करें।

उत्तर - (1) भारत के संविधान में किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं दिया गया है।

(2) मौलिक अधिकारों में धार्मिक स्वतंत्रता से सम्बन्धित प्रावधान है।

(3) भारतीय संविधान धर्म आधारित भेदभाव को निषेध करता है।

4. धर्मनिरपेक्ष राज्य से आप क्या समझते है? भारत में धर्म निरपेक्ष मॉडल क्यों अपनाया?

उत्तर - धर्म निरपेक्ष राज्य वह राज्य है जिसमें नागरिकों का कोई भी धर्म अपनाने की स्वतंत्रता होती है तथा किसी भी धर्म को कोई विशेष दर्जा नहीं दिया जाता है। साम्प्रदायिकता हमारे देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। विभाजन के समय भारत पाकिस्तान में भयावह साम्प्रदायिक दंगे हुए थे। हमारे संविधान निर्माता इस चुनौती के प्रति पूर्ण रूप से सचेत थे। इस कारण उन्होंने धर्म निरपेक्ष शासन का मॉडल अपनाया।

5. भारतीय राजनीति में जातिवाद की समस्या का उल्लेख करें।

उत्तर - भारतीय राजनीति में जाति के अनेक रूप दिखाई देते हैं यथा-

(1) उम्मीदवारों का चुनाव जातियों की संख्या के हिसाब से। (2) सरकार के गठन में जातियों को प्रतिनिधित्व देना।

शेखावाटी मिशन - 100

(3) जातिगत भावनाओं को भड़काकर वोट पाने की कोशिश।

(4) जातिगत गोलबंदी और निम्न जातियों में राजनैतिक चेतना का उदय।

6. भारत में महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त करें।

उत्तर - भारत में विधायिका में महिला प्रतिनिधित्व बहुत ही कम है उदाहरण के लिए लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या पहली बार 2019 में ही 14.36 फीसदी तक पहुँची है राज्यों की विधानसभाओं में इनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका निर्वाचित संस्थाओं में महिलाओं के लिए कानूनी रूप से आरक्षण द्वारा तय कर देना चाहिए।

7. धर्म और राजनीति के सम्बंध में गांधीजी के क्या विचार थे?

उत्तर- महात्मा गाँधी के अनुसार धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता, धर्म से उनका अभिप्राय नैतिक मूल्यों से था जो सभी धर्मो से जुड़े है। गाँधीजी का मानना था कि राजनीति धर्म द्वारा स्थापित मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए।

8. आपके अनुसार साम्प्रदायिकता कैसे एक चुनौती है?

उत्तर- साम्प्रदायिकता हमारे समाज के सामने एक चूनौती है क्योंकि इसकेनिम्न प्रभाव हो सकते है-

1. धार्मिक पूर्वाग्रह- यह साम्प्रदायिकता की सबसे आम चुनौती है। इसमें धार्मिक पूर्वाग्रह, धार्मिक समुदायों के बारे में बनी-बनाई धारणाएँ और एक धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ मानने की मान्यता शामिल है। इस विभाजन को जन्म देती है।

2. साम्प्रदायिक हिंसा- कई बार साम्प्रदायिक सबसे घृणित रूप लेकर साम्प्रदाय के आधार पर हिंसा, दंगा और नरसंहार करती है।

शेखावाटी मिशन – 100

अध्याय - 16

राजनीतिक दल

कुल अंक-5 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1+ निबंधात्मक प्रश्न -1, अंक - 4)

1. **1980 में पुराने भारतीय जनसंघ को पुर्नजीवित करके किस दल का निर्माण किया गया-**
(अ) कांग्रेस पार्टी (ब) भारतीय जनता पार्टी
(स) CPIM (द) समता पार्टी (ब)

2. **निम्न में से कौनसी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है-**
(अ) राष्ट्रीय जनता पार्टी (ब) भारतीय जनता पार्टी
(स) समाजवादी पार्टी (द) समता पार्टी (ब)

3. **विश्व के सबसे पुराने राजनीतिक दलों में से एक है-**
(अ) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(ब) भारतीय जनता पार्टी
(स) बहुजन समावादी पार्टी
(द) भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी -मार्क्सवादी (अ)

4. **एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अलग दिखाई देने वाली संस्था है-**
(अ) राजनीतिक दल (ब) हित समूह
(स) दबाव समूह (द) ये सभी (अ)

5. **निम्न में से राजनीतिक दल का कार्य है-**
(अ) दल चुनाव लड़ते है।
(ब) दल ही सरकार बनाते है और चलाते है।
(स) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखते है।
(द) उपर्युक्त सभी (द)

6. **इनमें से कौन बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक है?**
(अ) कांशीराम (ब) साहू महाराज
(स) डॉ. अम्बेडकर (द) ज्योतिबा फूले (अ)

7. **इनमें से कौन तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक है-**
(अ) ममता बनर्जी (ब) साहू महाराज
(स) डॉ. अम्बेडकर (द) कांशीराम (अ)

8. **इण्डियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना किस वर्ष हुई?**
(अ) 1885 (ब) 1985
(स) 1984 (द) 1998 (अ)

9. **निम्न में से जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है-**
(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्यमंत्री
(स) सरपंच (द) राजनीतिक दल (द)

10. **भारत में दलीय व्यवस्था है-**
(अ) बहुदलीय (ब) एक दलीय
(स) गठबंधन (द) दो दलीय (अ)

11. **भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धान्त क्या है?**
(अ) बहुजन समाज (ब) क्रांतिकारी लोकतंत्र
(स) सांस्कृतिक राष्ट्रवाद (द) आधुनिकता (स)

12. **भारत में कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (CPI) का गठन हुआ?**
(अ) 1885 (ब) 1925
(स) 1964 (द) 1999 (ब)

13. **राजनीतिक दलों में सुधार के लिए संविधान संशोधन किया गया है।**
(अ) दल बदल रोकने के लिए।
(ब) उम्मीदवारों को अपने खिलाफ चल रहे अपराधिक मुकदमों का ब्यौरा देने के लिए।
(स) सभी दलों के संगठनिक चुनाव कराने के लिए।
(द) चुनाव का खर्च सरकार द्वारा उठाने के लिए (अ)

14. **निम्न में से किस देश में एकदलीय व्यवस्था है?**
(अ) सयुंक्त राज्य अमेरिका (ब) भारत
(स) चीन (द) ग्रेट ब्रिटेन (स)

15. **भारत के राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त दलों की संख्या है-**
(अ) 5 (ब) 7
(स) 6 (द) 8 (ब)

16. **भारत में निम्न में से कौनसा राष्ट्रीय दल नहीं है-**
(अ) भाजपा (ब) इडियन नेशनल कांग्रेस
(स) बहुजन समाज पार्टी (द) शिवसेना (द)

शेखावाटी मिशन - 100

17. भारतीय जनता पार्टी की जड़े किस राजनीतिक दल में है?

(अ) भारतीय जन संघ (ब) हिन्दु महासभा

(स) जनता पार्टी (द) विश्व हिन्दु परिषद (अ)

18. कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI)(M) की प्रमुखता किस राज्य में है?

(अ) पश्चिम बंगाल व केरल

(ब) मणिपुर (स) पंजाब

(द) उत्तर प्रदेश (अ)

19. भारत में प्रमुख नीतिगत फैसले किसके द्वारा लिये जाते है?

(अ) राजनीतिक कार्यपालिका

(ब) संसदीय कार्यपालिका

(स) विधान परिषद

(द) न्यायपालिका (अ)

20. एक दलीय राजनीति व्यवस्था का उदाहरण वाला देश कौनसा है?

(अ) म्यांमार (ब) पाकिस्तान

(स) रूस (द) चीन (द)

21. राजनीतिक दलों का प्रमुख तत्व (अंग) किसे माना जाता है?

(अ) नेता (ब) सदस्य

(स) व्यवसायी वर्ग (द) विरोधी (अ)

22. मिलान करों-

(अ) कांग्रेस पार्टी (i) एनडीए

(ब) भारतीय जनता पार्टी (ii) राज्य(प्रांतीय) दल

(स) साम्यवादी दल (iii) संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन

(द) तेलगु देशम पार्टी (iv) वाम मोर्चा

(अ) अ-i, ब-ii, स-iii, द-iv

(ब) अ-iii, ब-i, स-iv, द-ii

(स) अ-iv, ब-iii, स-ii, द-i

(द) अ-i, ब-iii, स-iv, द-ii (ब)

23. देहाती लोग किससे साथ जुड़े होते है या रूबरू होते है?

(अ) नेता (ब) राजनीतिक दल

(स) सामाजिक आन्दोलन (द) सरकार (ब)

24. भारतीय जनता पार्टि की संस्थापना कब हुई ?

(अ) 1968 (ब) 1980

(स) 1970 (द) 1990 (ब)

निबन्धात्मक प्रश्न-

1. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की विभिन्न भूमिकाओं की व्याख्या कीजिए-

उत्तर- लोकतंत्र में राजनीकि दलों की विभिन्न भूमिकाओं की निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया जा सकता है-

1. चुनाव लड़ना- विश्व के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा चयनित उम्मीदवारों के मध्य लड़ा जाता है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों का चुनाव कई तरीकों से करते है, जैसे- संयुक्त राज्य अमेरिका में उम्मीदवारों का चुनावृ दल के सदस्य व समर्थक करते है वहीं भारत में दलों के नेता ही उम्मीदवार चुनते हैं।

2. नीतियों एवं कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखना- राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों एवं कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखते है तथा मतदाता अपनी पसंद की नीतियों एवं कार्यक्रम चुनते है। लोकतंत्र में समान या एक जैसे विचारों को एक साथ लाना होता है ताकि सरकार की नीतियों को एक दिशा प्रदान की जा सके राजनीतिक दल यही कार्य करते है। वे विभिन्न प्रकार के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक संसद लाते है जिनका वे समर्थक करते है। सरकार प्रायः शासक दल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती है।

3. कानून निर्माण में भूमिका- राजनीतिक दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका का निर्वाह करते है। कानूनों पर औपचारिक बहस होती है तथा उन्हें विधायिका में पास करवाना होता है। लेकिन विधायिका के अधिकांश सदस्य किसी न किसी राजनीतिक दल के सदस्य होते है इस कारण वे अपने दल के नेता के निर्देश पर फैसला करते है।

4. सरकार का निर्माण एवं संचालन- राजनीतिक दल ही सरकार का निर्माण करते एवं उसका संचालन करते है जो भी राजनीतिक दल अथवा उनका गठबंधन विधायिका में बहुमत प्राप्त करता है, वह सरकार बनाता है और अपनी विचारधारा के अनुसार सरकार को चलाता है व नीतियाँ बनाता है।

शेखावाटी मिशन-100

5. शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका का निर्वाह करना- चुनाव में पराजय का समाना करनेव ाले दल शासन में विरोधी पक्षी की भूमिका निभाते है ऐसे दल सरकार के गलत नीतियों व असफलाताओं की आलोचना करते है तथा अपनी राय भी रखते है। इस अतिरिक्त विपक्षी दल सरकार के विरूद्ध आम जनता को भी गोलबन्ध करते है।

6. जनमत का निर्माण करना- जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते है। वे उन मुद्दों को जनता के समक्ष लाते है जिनका सरकार ठीक ढ़ग से प्रबंध नहीं कर पाती है। इससे वे अपने पक्ष में एक सताधारी दल के विरूद्ध जनमत का निर्वाह करते है।

2. राजनीतिक दल के कार्यो की व्याख्या कीजिए-

उत्तर- राजनीतिक दल के कार्य-

1. चुनाव लडना - विश्व के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा चयनित उम्मीदवारों के मध्य लड़ा जाता है। राजनीति दल अपने उम्मीदवारों का चुनाव कई तरीकों से करते है, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका में उम्मीदवारों का चुनाव दल के सदस्य व समर्थक करते है, वहीं भारत में दलों के नेता ही उम्मीदवार चुनते है।

2. नीतियों एवं कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखना- राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों एवं कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखते है तथा मतदाता अपनी पसंद की नीतियों को एक दिशा प्रदान की जा सके राजनैतिक दल यही कार्य करते है। वे विभिन्न प्रकार के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक समेट लाते है। जिनका वे समर्थन करते है। सरकार प्राय: शासन दल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती हैं

3. कानूनों का निर्माण करना- राजनीतिक दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका का निर्वाह करते है कानूनों पर औपचारिक बहस होती है तथा उन्हें विधायिका में पास करवाना होता है। लेकिन विधायिका के अधिकांश सदस्य किसी न किसी राजनीतियक दल के सदस्य होते है इस कारण वे अपने दल के नेता के निर्देश पर फैसला करते है।

4. सरकार बनाना और चलाना- राजनीतिक दल ही सरकार बनाते और चलाते है जो भी राजनीतिक दल अधवा उनका गठबंधन विधायिका में बहुमत प्राप्त करता है वह सरकार बनाता है और अपनी विचारधारा के अनुसार सरकार को चलाता है।

5. विपक्ष का निर्माण - चुनाव में पराजय का सामना करने वाले दल शासन में विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हे ऐसे दल सरकार की गलत नीतियों व असफलताओं की आलोचना करते है तथा अपनी राय भी रखते है। इसके अर्तिरिक्त विपक्षी दल सरकार के विरूद्ध आम जनता को भी गोलबन्द करते है।

6. जनमत का निर्माण- जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका व निर्वाह करते है। वे उन मुद्दों को जनता के समक्ष लाते है जिनकासरकार ठीक ढंग से प्रबंधन नहीं कर पाती है। इससे वे अपने पक्ष में एक सताधारी दल के विरूद्ध जनमत बनाते है।

7. सरकारी मशीनरी तक पहुच उपलब्ध करवाना- राजनीतिक दल सरकार के लिए किसी सरकारी अधिकारी की तुलना में किसी राजनीतिक कार्यकर्ता के जान-पहचान बनाना और उनसे सम्पर्क साधना आसान होता है।

3. राजनीतिक दल क्या है? भारत में राजनीतिक दलों को सुधारने के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए-

उत्तर- राजनीतिक दल- राजनीतिक दल लोगों का एक समूह होता है जो चुनाव लड़ने एवं सरकार में राजनीतिक सत्ता का हासिल करने के उद्देश्य से कार्य करता है। यह सम्पूर्ण राष्ट्र के हितों को ध्यान में रखकर कुछ नीतियाँ एवं कार्यक्रम तय करता है। अधिकांश लोग राजनीतिक दलों की आलोचना करते नजर आते है। अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं राजनीतिक जीवन की प्रत्यक बुराई के लिए वे दलों को जिम्मेदारी मानते है। इसके अतिरिक्त सामाजिक व राजनीतिक विभाजनों के लिए भी दलों को ही दोषी माना जाता है।

भारत में राजनीतिक दलों को सुधारने के लिए किए गए प्रयास-

1. दल बदल पर रोक- विधाय को और सांसदों को दल बदल करने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया है। कानून के अनुसार अपना दल बदलने वाल सांसद अथवा विधायक को अपनी सीट भी गवानी पड़ेगी। देश में इस नए कानून के लागू होने से दल बदल की घटनाओं में कमी देखने को मिली है।

2. चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा शपथ-पत्र प्रस्तुत करना- भारत में सर्वोच्च न्यायलय ने राजनीति में धन और अपराधियों के प्रभाव को कम करने के लिए एक आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक अपनी सम्पत्ति के साथ-साथ अपने खिलाफ चल रहे या नहीं चल रहे अपराधिक मामलों का विवरण एक शपथ-पत्र के माध्यम से प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया है।

3. चुनाव आयोग द्वारा उठाए गये कदम- चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों के लिए आदेश जारी किया कि वे सगठनात्मक चुनाव कराये आवश्यक रूप से आयकर रिटर्न भरें।

शेखावाटी मिशन-100

4. भारत में राजनीतिक दलों के सुधार हेतु चार सुझावों का वर्णन करें।

उत्तर- भारत में राजनीतिक दलों के सुधार हेतु निम्नलिखित सुझाव है-

1. कानून का निर्माण- राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज को व्यवस्थित करने के लिए कानून का निर्माण किया जाना चाहिए। सभी दल अपने-अपने सदस्य की सूचि रखे, अपने संविधान का पालना करें, दल में विवाद की स्थिति में एक स्वतंत्र प्राधिकारी को पंच बनाए, दल के सबसे बड़े पदों के लिए खुला चुनाव करा इन समस्त व्यवस्थाओं को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

2. महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था- राजनीतिक दलों की महिलाओं की एक न्यूनतम अनुपात में (लगभग 1/3) चुनाव में टिकट दिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त दल के प्रमुख पदों पर महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

3. चुनाव खर्च का सरकार द्वारा वहन- विभिन्न प्रकार के चुनावों का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाना चाहिए। सरकार को चुनावों हेतु विभिन्न राजनीतिक दलों को घन प्रदान करना चाहिए। यह घन न कर रूप में अथवा मदद जैसे- पेट्रोल, कागज, फोन आदि के रूप में हो सकता है।

4. राजनीतिक दलों पर जनता द्वारा दबाव बनाना- राजनीतिक दलों पर जनता द्वारा दबाव बनाया जाए इस हेतु पत्र लिखने, प्रचार करने एवं आन्दोलन के माध्यम से जनता यह कार्य कर सकती है। आम नागरिक दबाव समूह आन्दोलन एवं मीड़िया के माध्यम से यह कार्य कर सकता है। अपनी छवि खराब होने के भय से राजनीतिक दल अपने में सुधार करेंगे।

5. राजनीतिक दलों के समक्ष कौन-कौनसी चुनौतियाँ है वर्णन करें-

उत्तर- **आधुनिक युग में राजनीतिक दलों के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियाँ है-**

1. राजनीतिक दलों के समक्ष आंतरिक लोकतंत्र की कमी एक प्रमुख चुनौती है। समस्त विश्व में यह प्रवृत्ति बन गयी हे कि समस्त शक्ति एक या कुछेक नेताओं के हाथ में सिमट जाती है। दलों के पास न तो सदस्यों की खुली सूची होती है न ही नियमित रूप से संगठनात्मक बैठके होती है, इसके अतिरिक्त आन्तरिक चुनाव भी नहीं होते है। कार्यकताओं से वे सूचनाओं का साझा भी नहीं करते। सामान्यत: कार्यकर्ता दल में चल रही हलचलों से अनजान बना रहता है।

2. वंशवाद की प्रवृत्ति- भारत में अधिकांश राजनीतिक दलों के समक्ष यह एक प्रमुख चुनौती है जो लोग बड़े नेता होते है, वे अनुचित लाभ लेते हुए अपने नजदीकी लोगों विशेषकर अपने परिवार के लोगों को आगे बढ़ाते है। अनेक दलों में उच्च पदों पर हमेशा एक ही परिवार के लोग आत है।

3. धन एवं अपराधी तत्वों की बढ़ती घुसपैठ- चूँकि समस्त राजनीतिक दलों की चिन्ता चुनाव जीतने की होती है। अत: इसके लिए वे कोई भी जायज-नाजायज तरीका अपनाने से भी परहेज नहीं करते है। वे ऐसे ही लोगों को चुनाव में उतारते है जिनके पास अधिक पैसा है या अधिक पैसा जुटा सकते है। कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीत सकने वाले अपराधियों का भी समर्थन करते है तथा उनकी मदद लेते है।

4. राजनीतिक दलों के मध्य विकल्पहीनता की स्थिति- आधुनिक युग में राजनीतिक दलों के पास मतदाताओं को देने के लिए सार्थक विकल्प की कमी है। सार्थक विकल्प देने के लिए विभिन्न दलों की नीतियों में अन्तर होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षो से विभिन्न देशों में दलो के बीच वैचारिक अन्तर कम होता जा रहा है।

6. राजनीतिक दलीय व्यवस्था के प्रकार बताइए। भारत के सन्दर्भ में बहुदलीय व्यवस्था की व्याख्या करते हुए इसके लाभ व हानि भी बताइए-

उत्तर- विश्व में राजनीतिक दलीय व्यवस्था के प्रमुख रूप से तीन प्रकारों से विभाजित किया जा सकता है।

1. एकदलीय 2. द्विदलीय 3. बहुदलीय व्यवस्था

1. एकदलीय व्यवस्था- किसी देश में जब सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति होती है तो इसे एकदलीय व्यवस्था कहा जाता है। साम्यवाद चीन में सिर्फ साम्यवादी दल को ही शासन करने की अनुमति है इसलिए वहाँ की दलीय व्यवस्था एकदलीय कहा जाता है।

2. द्विदलीय व्यवस्था- कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक अन्य पार्टियाँ भी हो सकती है वे चुनाव लड़कर कुछ सीटे जीत सकती है पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार होते है। संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में ऐसी ही दो दलीय व्यवस्था है।

3. बहुदलीय व्यवस्था- जब अनेक दल सत्ता के लिए होड में हो और दो दलों से ज्यादा दलों के अपने दम पर या दूसरों से गटबंधन करके सत्ता में आने के बहुत अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते है। भारत में भी ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है।

भारत के संदर्भ में बहुदलीय व्यवस्था- भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहाँ बहुदलीय व्यवस्था है हमारे देश में विभिन्न

शेखावाटी मिशन-100

राजनीतिक दल गठबंधन या मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ते है तथा जीतते है और सरकार के निर्माण में भाग लेते है। कभी-कभी एक राजनीतिक दल भी अधिकांश सीटे जीतकर सरकार बना लेता है। उदाहरण के रूप में सन् 2004 में ससंदीय चुनाव मे तीन गढबंधन बने थे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन एवं वाम मोर्चा। इनमें से कोई भी गठबंधन सरकार बनाने के लिए आवश्यक सीटे नहीं जीत पाया। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने वाम मोर्चा के समर्थन से सरकार का गठन किया। इस बहुदलीय व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा काम यह है कि यह कई हितों एवं विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अवसर प्रदान करती है वही इस व्यवस्था का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह बहुत अधिक जटिल व्यवस्था है तथा यह कभी-कभी राजनीतिक अस्थिरता का कारण भी बन जाती है।

शेखावाटी मिशन –

अध्याय - 17

लोकतंत्र के परिणाम

कुल अंक-03 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, रिक्तस्थान - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. निम्नांकित में से किस शासन प्रणाली में उत्तरदायी सरकार का गठन होता है-

(अ) लोकतंत्र (ब) राजतंत्र

(स) तानाशाही (द) ये सभी (अ)

2. निम्नांकित में से किस शासन प्रणाली में वैध सरकार का गठन होता है?

(अ) लोकतंत्र (ब) राजतंत्र

(स) तानाशाही (द) कोई नहीं (अ)

3. वर्तमान में विश्व में निम्न में से किस प्रकार की सरकारों की संरचना नैतिक है-

(अ) राजतंत्रात्मक सरकार (ब) तानाशाही सरकार

(स) लोकतंत्रात्मक सरकार (द) उपर्युक्त सभी (स)

4. निम्न में से जिस सन्दर्भ में तानाशाही ने लोकतंत्रात्मक सरकारों से बेहतर परिणाम प्राप्त किये है वह है-

(अ) उच्च आर्थिक विकास दर (ब) जनसंख्या में कमी

(स) स्वास्थ्य सेवाएं (द) उच्च उत्पादन (अ)

5. लोकतंत्र शासन की अन्य व्यवस्थाओं से बेहतर है क्योंकि यह-

(अ) नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।

(ब) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा है।

(स) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।

(द) ये सभी (द)

6. लोकतान्त्रिक व्यवस्था आधारित होती है-

(अ) राजनीति समानता पर (ब) राजनीतिक विधमता पर

(स) न्यायपूर्ण वितरण पर (द) ये सभी (द)

7. लोकतंत्र के मूल्यांकन के लिहाज से इनमें से कोई एक चीज लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है, उसे चुने-

(अ) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव

(ब) व्यक्ति की गरिका

(स) बहुसंख्यकों का शासन

(द) कानून के समक्ष समानता (स)

8. लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं के बारे में किये गये अध्ययन बताते है कि-

(अ) लोकतंत्र और विकास साथ ही चलते है।

(ब) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में असमानताएँ बनी रहती है।

(स) तानाशाही में असमानताएं नहीं होती है।

(द) तानाशाही लोकतंत्र की बेहतर साबित हुई है। (ब)

9. लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में इनमें से कौनसा विचार सही है-

(अ) लोगों के बीच टकराव को समाप्त कर दिया है।

(ब) लोगों के बीच की आर्थिक असमानता समाप्त करना।

(स) हासियों के समूहों से कैसा व्यवहार हो इस बारे में सारे मतभेद मिटा दिये है।

(द) राजनीतिक गैर बराबरी के विचार को समाप्त कर दिया है। (द)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. लोकतंत्र में शासन की अन्तिम शक्ति .... के हाथों में होती है।

2. आर्थिक समृद्धि के मामले में तानाशाही शासन व्यवस्था वाले

शेखावाटी मिशन - 100

देशों का रिकॉर्ड .... है।

3. .... के अधिकार के तहत सरकारी कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

4. लोकतांत्रिक सरकारों में फैसले लेने में तानाशाही की तुलना में .... समय लगता है।

5. गैर लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ आमतौर पर अपने अदंरूनी सामाजिक मतभेदों को .... की कोशिश करती है।

6. लोकतांत्रिक व्यवस्था .... समानता पर आधारित होती है।

7. शासन की वह व्यवस्था जिसमें शासन की शक्ति एक व्यक्ति के हाथों में हो .... शासन व्यवस्था कहलाती है।

8. व्यक्ति की........................ और .... के मामले में लोकतांत्रिक व्यवसीा किसी भी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे है।

9. भारत के .... प्रतिशत लोग मानते हैं कि सरकार की चाल ढाल पर उनके वोट का असर पड़ता है।

10. वास्तविक जीवन में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ .... असमानताओं को कम करने में ज्यादा सफल नहीं हो पाई है।

11. सैद्धान्तिक रूप में तो लोकतंत्र को अच्छा माना जाता है पर .... में इसे इतना अच्छा नहीं माना जाता।

12. .... में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ कायदे कानून के अनुसार होंगे।

13. सामाजिक अंतर विभाजन और टकरावों को सँम्भालना निश्चित रूप से .... व्यवस्थाओं का एक बड़ा गुण हैं।

14. वैध शासन व्यवस्था के मामले में .... शासन व्यवस्था निश्चित रूप से अन्य शासनों से बेहतर है।

15. लोकतंत्र का सीधे-सीधे अर्थ .... की राय से शासन करना नहीं है-

16. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में ...... सर्वाधिक सुरक्षित है।

17. .... व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुजांइश होती है।

18. लोकतांत्रिक सरकारें सदा नागरिकों के .... का सम्मान नहीं करती है।

उत्तर- (1) जनता, (2) अच्छा, (3) सूचना, (4) ज्यादा, (5) दबाने, (6) राजनीतिक, (7) तानाशाही, (8) गरिमा, आजादी, (9) 67, (10) आर्थिक, (11) व्यवहार, (12) लोकतंत्र, (13) लोकतांत्रिक, (14) लोकतांत्रिक **15.** बहुमत **16.** व्यक्ति की गरिमा **17.** लोकतांत्रिक शासन **18.** अधिकारों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. लोकतंत्र की एक विशेषता लिखिए-

उत्तर- निर्वाचित जनप्रतिनिधि/लोकतंत्र नागरिकों की गरिका को बढ़ावा है।

2. प्रजातंत्र में निर्णय लेने में देरी क्यों होती है।

उत्तर- क्योंकि प्रजातंत्र विचार विमर्श और समझौते के विचारों पर आधारित होता है।

3. कौनसी शासन व्यवस्था अपनी कुछ कमियों के बावजूद पूरे विश्व में स्वीकार्य है-

उत्तर- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था

4. अलोकतांत्रिक सरकारें लोकतंत्र की तुलना में जल्दी निर्णय क्यों ले लेती है?

उत्तर- क्योंकि उन्हें विधायिका का सामना नहीं करना होता है।

5. शासन की किस व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुंजाइंश होती है?

उत्तर- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में

6. लोकतंत्र को सकारात्मक का अधिक अच्छा रूप क्यों माना जाता है कोई एक कारण बताइए-

उत्तर- लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा है।

7. लोकतंत्र के कोई दो गुण बताइए-

उत्तर- 1. लोकतंत्र एक उत्तरदायी जिम्मेदार व्यवस्था है।

2. लोकतंत्र वैध शासन व्यवस्था है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 18

विकास

कुल अंक-3 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, + लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है-

(अ) प्रतिव्यक्ति आय (ख) औसत साक्षरता दर
(स) लोगो की स्वास्थ्य स्थिति (द) उपरोक्त सभी(द)

2. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है।

(अ) बांग्लोदेश (ब) श्रीलंका
(स) नेपाल (द) पाकिस्तान (ख)

3. भारत में साक्षरता दर के आधार पर सबसे अच्छी स्थिति निम्न में से किस राज्य की है।

(अ) राजस्थान (ब) केरल
(स) बिहार (द) पंजा (ब)

4. निम्न में से गैर नवीकरणीय साधन है -

(अ) कच्चा तेल (ब) भूमिगत जल
(स) वन (द) उपर्युक्त सभी (अ)

6. मानव विकास रिपोर्ट कौनसी संस्था जारी करती है-

(अ) विश्व बैंक (ब) एशियन डवलपमेंट बैंक
(स) यू.एन.डी.पी. (द) भारतीय रिजर्व बैंक (स)

7. मध्य आय वर्ग वाला देश है-

(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका (ब) भारत
(स) चीन (द) जापान (ब)

8. विश्व बैंक के अनुसार विभिन्न देशों में विकास के आधार पर तुलना करने के लिए किस मापदण्ड का प्रयोग किया?

(अ) राष्ट्रीय आय (ब) प्रतिव्यक्ति आय
(स) सकल राष्ट्रीय उत्पाद
(द) सकल राष्ट्रीय आय (ब)

9. औसत आय को कहा जाता है-

(अ) प्रति व्यक्ति आय (ब) राष्ट्रीय आय
(स) एकल राष्ट्रीय उत्पाद (द) सकल राष्ट्रीय आय (अ)

10. आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार सर्वाधिक प्रतिव्यक्ति आय है-

(अ) राजस्थान (ब) हरियाणा
(स) बिहार (द) उत्तर प्रदेश (ब)

11. सरदार सरोवर बांध किस नदी पर स्थित है?

(अ) गंगा (ब) यमुना
(स) नर्मदा (द) कावेरी (स)

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

1. विकास के लिए धारणीयता (सतत पोषणीय) महत्वपूर्ण क्यों है स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- विकास का वह स्तर जो भावी पीढ़ी पर बिना बोझ डाले प्राप्त किया जाता है सतत् विकास अथवा धारणीय विकास कहलाता है।

1. तीव्र आर्थिक विकास से प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन से प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो जायेंगे जिससे भविष्य में सभी देशों का विकास खतरे में पड़ जायेगा।

2. तीव्र औद्योगिकीकरण से पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाता है जो प्रदूषण का कारण बनते है एवं भविष्य में प्राकृतिक संतुलन को बाधित करते है।

शेखावाटी मिशन - 100

2. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्त्रोतों का प्रयोग किया जाता है? इसकी भविष्य में क्या संभावनाएं हो सकती है।

उत्तर- परम्परागत स्त्रोत (1) कोयला (2) खनिज तेल (3) प्राकृतिक गैस (4) विद्युत

गैर पम्परागत स्त्रोत (1) पवन ऊर्जा (2) सौर ऊर्जा (3) बायो गैस (4) भूतापीय ऊर्जा (5) ज्वारीय ऊर्जा

बढ़ते जनसंख्या के दबाव एवं प्राकृतिक संसाधनों के निरन्तर दोहन के कारण पेट्रोलियम एवं संबंद्ध उत्पादों की मांग बढ़ेगी, पूर्ति कम होने के कारण इन उत्पादों के मूल्यों में निरन्तर वृद्धि के कारण इनका आयात महंगा होगा। फलस्वरूप भुगतान असंतुलन की स्थिति पैदा होगी। अतः नये-नये ऊर्जा स्त्रोतों को खोजना होगा तथा ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोतों पर निर्भरता बढ़ेगी।

3. मानव विकास सूचकांक का महत्व बताइए।

उत्तर- मानव विकास सूचकांक का महत्व निम्नलिखित है-

(1) यह देश के विकास के स्तर का संकेत देता है।

(2) इसके माध्यम से जीवन प्रत्याशा, साक्षरता एवं वास्तविक प्रति व्यक्ति आय की जानकारी मिलती है।

(3) यह विभिन्न देशों में मानव विकास की दशा एवं दिशा को बतलाता है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 19

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

कुल अंक-5 (रिक्तस्थान - 1, अंक -1, लघुत्तरात्मक प्रश्न-2, अंक -4)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. **एक वस्तु का प्राकृतिक संसाधनों से उत्पादन .... क्षेत्रक की गतिविधि है।**
2. **भारत में छिपी हुई बेरोजगारी सबसे अधिक .... क्षेत्र में पाई जाती है।**
3. **तृतीयक क्षेत्रक को .... भी कहा जाता है।**
4. **वर्तमान में भारत की राष्ट्रीय आय में सर्वाधिक योगदान .... का है।**
5. **किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी वस्तुओ और सेवाओं का मूल्य ....कहलाता है।**
6. **.......... अंतिम वस्तुओं और सेवाओं निर्माण में इस्तेमाल की जाती है।**
7. **अतिग वस्तुओं के मूल्य में .... का मूल्य पहले से ही शामिल होता है।**
8. **मनरेगा का पूरा नाम .... है।**
9. **........ मे परिसम्पत्तियों पर स्वामित्त्व और सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी एकल व्यक्ति या कपंनी के हाथों में होती है।**
10. **टिस्कों का पूरा नाम .... है।**
11. **कपास एक .... उत्पाद है और कपड़ा एक .... उत्पाद है।**
12. **द्वितीयक क्षेत्रक को ...... भी कहा जाता है।**
13. **सार्वजनिक क्षेत्रक में अधिकांश परिसंपत्तियों पर ...... का स्वामित्व होता है।**
14. **........ क्षेत्रक के श्रमिक वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते है।**

उत्तर- (1) प्राथमिक (2) कृषि (3) सेवा (4) तृतीयक क्षेत्र (5) GDP (6) मध्यवर्ती वस्तुएँ (7) मध्यवर्ती वस्तुए (8) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (9) निजी क्षेत्र (10) टाटा आयरन एडं स्टील कम्पंनी लिमिटेड (टिस्को) (11) प्राथमिक, अन्तिम (12) औद्योगिक क्षेत्रक (13) सरकार (14) तृतीयक

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. **खुली बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी के बीच विभेद कीजिए-**

उत्तर- वह बेरोजगारी जिसमें लोगों के पास रोजगार नहीं है और बेकार बैठे हुए है। खुली बेरोजगारी कहलाता है। जबकि अल्प बेरोजगारी जिससे व्यकि काम में लगा हुआ होता है किन्तु उसकी उत्पादकता नगन्य होती है को प्रच्छन्न बेरोजगारी भी कहा जाता है। भारत के कृषि क्षेत्र में बहुधा पाई जाती है।

2. **संगठित एंव असगंठित क्षेत्रक में कोई दो अन्तर बताइए-**

उत्तर- 1. असंगठित क्षेत्र से आशय उन छोटी-मोटी एवं बिखरी इकाइयों से है जो अधिकांशत: राजकीय नियंत्रण से बाहर होती है। जबकि संगठित क्षेत्रक उस उधम या कार्य के स्थान से है, वहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है। सरकारी नियमों व विनियमों का पालन करना होता है।

2. असंगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्ते अनियंत्रित होती है जबकि संगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्ते नियंत्रित होती है।

3. **तृतीयक क्षेत्रक से आपका क्या अभिप्राय है?**

उत्तर- प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रक के अतिरिक्त अन्य समस्त गतिविधियों को तृतीयक क्षेत्रक में सम्मिलित किया जाता है। इसके अन्तर्गत वे क्रियाएं आती है जो प्राथमिक और द्वितीयक

शेखावाटी मिशन - 100

क्षेत्रकों के विकास मे मदद करती है। ये गतिविधियाँ स्वत: वस्तुओं का उत्पादन नहीं करती बल्कि उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग करती हैं इस क्षेत्रक की विभिन्न गतिविधियों से सेवाओं का सृजन होता है। अत: इस क्षेत्रक को सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है।

उदाहरण- अध्यापक, डॉक्टर, रेलवे आदि।

4. **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 पर सक्षिप्त टिप्पणी कीजिये-**

उत्तर- केन्द्र सरकार द्वारा रोजगार सृजन हेतु चलाया गया एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है अन्तर्गत उन सभी लोगो, जो काम करने में सक्षम हैं और जिन्हें काम की जरूरत है को सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों मे वर्ष में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। यदि सरकार रोजगार उपलब्ध कराने में असफल रहती है तो वह लोगों को बेरोजगारी भत्ता देगी। इसके अन्तर्गत उन कामों को वरीयता दी जायेगी, जिनसे भविष्य में भूमि से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

5. **सार्वजनिक क्षेत्रक एवं निजी क्षेत्रक में अन्तर स्पस्ट कीजिये।**

उत्तर- सार्वजनिक क्षेत्रक में अधिकांश परिसपत्तियों पर सरकार का स्वामित्त्व होता है और सरकार ही सभी सेवाएँ उपलब्ध कराती है। निजी क्षेत्रक में परिसंपत्तियों पर स्वामित्त्व और सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी एकल व्यक्ति या कम्पनी के हाथों में होता है। रेलवे तथा डाकघर सार्वजनिक क्षेत्रक के उदाहरण है तथा टिस्को एवं रिलायंस इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कम्पनियँ निजी स्वामित्व में है।

❖❖❖

अध्याय - 20

मुद्रा एवं साख

कुल अंक-5 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1,दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -3)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

1 **निम्नांकित में से करेंसी नोट जारी करता है -**

(अ) भारतीय स्टेट बैंक (ब) बैंक ऑफ इण्डिया

(स) भारतीय रिजर्व बैंक (स) इडियन बैंक (स)

2. **स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते है-**

(अ) बैंक द्वारा (ब) सदस्यो द्वारा

(स) गैर सरकारी सस्था द्वारा

(द) रिजर्व बैंक द्वारा (ब)

3. **स्वयं सहायता समूह का सम्बन्ध है-**

(अ) ग्रामीण लोगो का समूह जो ऋण के क्षेत्र में मिलकर काम करते हैं।

(ब) अमीर लोगों का समूह जो मिलकर काम करते हैं।

(स) एक औपचारिक ऋण क्षेत्रक।

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं। (अ)

4. **मुद्रा का आधुनिक रूप है-**

(अ) चैक (ब) मांग जमा

(स) कागजी मुद्रा (द) ये सभी (द)

5. **औपचारिक क्षेत्रक में ऋणदाताओं की गतिविधियों की देखरेख करने वाली संस्था है-**

(अ) भारतीय रिजर्व बैंक (ब) भारत सरकार

(स) राज्य सरकार (द) ससंद (अ)

6. **ऋण की शर्तो में सम्मिलित है-**

(अ) ब्याज दर का निर्धारण (ब) समर्थक ऋणाधार

(स) आवश्यक कागजात (द) उपर्युक्त सभी (द)

7. **कर्ज लेने के लिए कर्जदार निम्नलिखित में से किसका उपयोग गारंटी देने के लिए करता है-**

(अ) चैक (ब) साख

(स) करेंसी नोट (द) समर्थक ऋणाधार (द)

8. **बैंकों के ऋणों के औपचारिक स्त्रोंतों की कार्यप्रणाली पर नियंत्रण करता है-**

(अ) भारतीय रिजर्व बैंक (ब) सहकारी समितियाँ

(स) स्वयं सहायता समूह (द) राज्य सरकारें (अ)

9. **ग्रामीण बैंक के संस्थापक एवं 2006 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति था?**

(अ) अर्मत्य सैन (ब) डॉ. स्वामीनाथन

(स) प्रो. मोहम्मद युनुस (द) इनमें से कोई नहीं (स)

अतिघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. **वस्तु विनिमय प्रणाली से आप क्या समझते है।**

उत्तर- मुद्रा का उपयोग किये बिना वस्तु के बदले वस्तु का विनिमय ।

2. **मांग जमा क्या है?**

उत्तर- बैंक खातों में जमा धन को मांग के जरिए निकालना मांग जमा कहलाती है।

3. **ऋण की शर्तो से अभिप्राय है-**

उत्तर- ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीको को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्ते कहलाती है।

4. **मुद्रा क्या है?**

उत्तर- मुद्रा का अभिप्राय उस वैधानिक वस्तु से है, जिसका उपयोग विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार्य है।

5. **मुद्रा का एक महत्वपूर्ण कार्य बताइए-**

उत्तर- विनिमय का माध्यम

शेखावाटी मिशन - 100

6. चैक क्या है-

उत्तर- एक ऐसा कागज है जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चैक का लिखे नाम से किसी दूसरे व्यक्ति को एक खास रकम का भुगतान करने का आदेश देता है।

7. 10रूपये के नोट के ऊपर क्या लिखा है, बताइए-

उत्तर- केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्याभूत

मैं धारक को दस रूपये अदा करने का वचन देता हुँ।

गर्वनर

दूसरी तरफ- एक कदम स्वच्छता की ओर

भारतीय रिजर्व बैंक

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-

1. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए?

(1) वस्तु विनिमय के दोष (2) मुद्रा के कार्य

उत्तर- (1) आवश्यकताओं का दोहरा सयोग वस्तु विनिमय प्रणाली में देखने को मिलता है वस्तु विनिमय प्रणाली में मुद्रा का उपयोग किए बिना वस्तुओं का विनिमय होता है। वस्तु विनिमय प्रणाली में ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ता है जो उसकी अतिरिक्त वस्तु लेकर उसे इच्छित वस्तु दे देवे। उदाहरण के लिए किसान गेहूँ बेचृकर जूते खरीदना चाहता है तो उसे ऐसा व्यक्ति ढूंढ़ना पड़ेगा जो उससे गेहूँ लेकर जूते दे देवे। यह वस्तु विनिमय प्रणाली कठिनाई अर्थात् दोष है। अत: मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे सयोग की जरूरत को समाप्त कर देती है।

(2) मुद्रा मूल्य के मापन का कार्य करती है। मुद्रा के रूप में विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य का निर्धारण किया जा सकता है। मुद्रा विनिमय का एक माध्यम है। यह आसानी से स्वीकार्य है। जिस व्यक्ति के पास मुद्रा होती है वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति भुगतान मुद्रा के रूप में लेना पसन्द करता है। उदाहरण - एक किसान बाजार में गेहूँ बेचकर घरेलू आवश्यकताओं की वस्तुएँ खरीदने के लिए गेहूँ से प्राप्त मुद्रा का प्रयोग करेगा।

2. स्वयं सहायता समूह क्या है? स्वयं सहायता समूहों की कार्यविधि को विस्तार से बताइए।

उत्तर- (1) स्वयं सहायता समूह गरीबों के लिए स्वपोषित वित्त व्यवस्था है इसमें एक विचार ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों विशेषकर महिलाओं को छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूहों में संगठित करने एवं उनकी बचत पूँजी को एकत्रित करने पर आधारित है।

स्वयं सहायता समूह में एक दूसरे के पड़ोसी 15 से 20 सदस्य होते है जो नियमित रूप से मिलते है तथा बचत करते है जिसका उद्देश्य बचत पूंजी को एकत्रित कर अपने समूह के सदस्यों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाना तथा प्रतिव्यक्ति बचत अपनी क्षमता के अनुसार प्रतिव्यक्ति आय के अनुसार करता है एक या दो वर्ष पश्चात् SHG समूह बैंक से ऋण लेने योग्य हो जाते है जिसका उद्देश्य बैंकों द्वारा ऋण समूह के नाम पर दिया जाता है। जिसका सदस्यों को स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करना है। इनकी सबसे बड़ी विशेषता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा सामाजिक विषयों के प्रति चर्चा करते हुए एक समाज को एक नई दिशा प्रदान करना है।

3. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- भारत में भारतीय रिजर्व बैंक केन्द्र सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। मुद्रा के आधुनिक रूपों में करेंसी में कागज के नोट एवं सिक्कों को सम्मिलित किया गया है।

बैंक के कार्य अथवा भारत की अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका -

(1) जमा राशि को स्वीकार करना - बैंक जनता से जमा स्वीकार करते हैं। लोग अपनी नकदी को सुविधा के लिए बैंकों के बचत जमा खाता, सावधि जमा खाता, चालू खाता आदि में जमा कराते है। बैंक इन जमाओं पर ब्याज भी देता है। इस तरह लोगों का धन बैंक के पास सुरक्षित रहता है।

(2) ऋण प्रदान करना - बैंक अपने पास जमा रकम का एक छोटा हिस्सा नकद के रूप में रखकर शेष राशि का ऋण जनता को उधार देते है। जो नकद कोषानुपात पर निर्भर करता है।

(3) पूँजी निर्माण - बैंक लोगों की बचतों को संग्रह करते है तथा उसे अन्य उत्पादक क्रियाओं में निवेश करते है। इस प्रकार बैंक देश में पूँजी निर्माण को प्रोत्साहित करते है तथा आर्थिक विकास की दर को तीव्र करते है।

(4) लॉकर सुविधाएँ - बैंक लोगों को अपनी मूल्यवान वस्तुओं एवं महत्वपूर्ण कागजातों को सुरक्षित रख सकते है।

उपर्युक्त कार्यो के आधार पर बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में मील का पत्थर साबित हुए है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय - 21

वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

कुल अंक-5 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, रिक्तस्थान - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1, लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

1. **विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है-**
   (अ) उदारीकरण (ब)निजीकरण
   (स) राष्ट्रीयकरण (द) वैश्वीकरण (द)
2. **वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सबसे अधिक प्रभावित कौन हुए है?**
   (अ) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां (ब)श्रमिक
   (स) भूस्वामी (द) सभी (ब)
3. **विदेशी व्यापार किनके मध्य होता है?**
   (अ) दो देशों के मध्य (ब)दो नगरों के मध्य
   (स) दो गाँवों के मध्य (द) दो प्रदेशों के मध्य (अ)
4. **एक ऐसा संगठन जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है-**
   (अ) विश्व स्वास्थ्य संगठन
   (ब) विश्व व्यापार संगठन
   (स) संयुक्त राष्ट्र संघ
   (द) ये सभी (ब)
5. **वैश्वीकरण से सर्वाधिक लाभान्वित हुए है-**
   (अ) ग्रामीण मजदूर
   (ब) शहरी शिक्षित व्यक्ति
   (स) धनी वर्ग के उपभोक्ता
   (द) ये सभी (स)
6. **फोर्ड मोटर्स कम्पनी किस देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है-**
   (अ) भारत (ब) चीन
   (स) अमेरिका (द) द.कोरिया (स)
7. **भारत में खाद्य तेलों की सबसे बड़ी उत्पादन कम्पनी है-**
   (अ) कारगिल (ब) एशियन पेट्स
   (स) सुंदरम फास्नर्स (द) इंफोसिस (अ)

रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

1. **बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किए गए निवेश को .... निवेश कहते है।**
2. **......................... में तीव्र उन्नति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया है।**
3. **परिसम्पत्तियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा .... कहलाती है।**
4. **सरकार द्वारा व्यापार से अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया .... कहलाती है।**
5. **......................... का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तौर-तरीकों को सरल बनाना है।**
6. **भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी रैन बैक्सी का संबंध .... के उत्पादन से है।**
7. **वस्तुओं को .... में रखा गया है जिससे इन्हें जहाजों, रेलों, वायुयानों एवं ट्रकों पर बिना क्षति के लादा जा सके।**
8. **........ वह मुख्य कारक है जिसने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया।**

उत्तर- (1) विदेशी निवेश (2) तकनीकी (3) निवेश (4) उदारीकरण (5) विश्व व्यापार संगठन (6) दवाईयाँ
(7)कन्टेनर
(8) प्रौद्योगिकी

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

1. **भारत में कार्यरत दो बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के नाम बताइये?**

उत्तर- (1) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड (2) कोका-कोला

2. **विदेशी निवेश किसे कहा जाता है?**

उत्तर- बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किये गए निवेश को विदेशी निवेश कहा जाता है।

3. **वैश्वीकरण किसे कहते हैं?**

उत्तर- विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण कहलाती है।

शेखावाटी मिशन - 100

4. बहुराष्ट्रीय कम्पनी किसे कहते है?

उत्तर- वह कम्पनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, बहुराष्ट्रीय कम्पनी कहलाती है।

5. निवेश क्या हैं?

उत्तर- परिसम्पत्तियों, जैसे - भूमि, भवन, मशीन व अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की मुद्रा को निवेश कहते है।

6. व्यापार अवरोधक से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- विदेशों से होने वाले आयात पर लगने वाले प्रतिबन्ध व्यापार अवरोधक कहलाते है, जैसे आयात कर, कोटा

7. विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) का मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

1. भारत में वैश्वीकरण के किन्हीं दो प्रभावों को समझाइए।

उत्तर- (1) वैश्वीकरण में भारतीय उत्पादकों को वस्तुओं और सेवाओं के अनेक विकल्प मिले तथा भारतीय उपभोक्ताओं को कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं की प्राप्ति होती है। उपभोक्ता को विश्वस्तरीय वस्तुएं एवं सेवाएं उपलब्ध हुई।

(2) वैश्वीकरण के फलस्वरूप भारत में विदेशी निवेश बढ़ा है, जिससे देश में उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि हुई है।

2. भारत में बहुराष्ट्रीय कम्पनियां की भूमिका को स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- (1) विदेशी निवेश में वृद्धि - इससे उद्योगों की स्थापना हुई जिससे निवेश बढ़ा।

(2) नवीन तकनीक का आगमन - ये कम्पनियां नवीन तकनीकों का प्रयोग करती है, जिससे श्रम व समय दोनों की बचत होती है।

(3) रोजगार में वृद्धि - नये उद्योगों की स्थापना से युवाओं को रोजगार के नवीन अवसर मिलते है।

3. वैश्वीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताइये-

उत्तर- (1) दूरसंचार सुविधाएं - टेलीफोन, मोबाइल, फैक्स आदि का विश्वभर में एक-दूसरे से सम्पर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने एवं संवाद करने में प्रयोग किया जाता है।

(2) कम्प्यूटरों ने भी वैश्वीकरण को गति प्रदान की है। जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटरों का प्रवेश हो गया है।

(3) इंटरनेट से स्थितियां ही बिल्कुल बदल गई है। सम्पूर्ण विश्व की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते है।

4. विशेष आर्थिक क्षेत्रों से आप क्या समझते है?

उत्तर- विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएँ- बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, भण्डारण, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है तथा आरम्भिक पाँच वर्षो तक कोई कर नहीं देना पड़ता है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 22

उपभोक्ता अधिकार

कुल अंक - 2 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. निम्न में से उपभोक्ता का अधिकार नहीं है-

(अ) सूचना पाने का अधिकार (ब) चयन का अधिकार

(स) सुरक्षा का अधिकार

(द) कीमत में कमी का अधिकार (द)

2. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम पारित किया गया-

(अ) 1985 (ब) 1986

(स) 1996 (द) 2008 (ब)

3. अक्टूबर, 2005 में भारत सरकार ने एक कानून लागू किया, वह कानून है-

(अ) चुनने अधिकार

(ब) क्षतिपूर्ति निवारण कानून

(स) सूचना पाने का अधिकार

(द) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम (स)

4. भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है-

(अ) 5 अक्टुबर को (ब) 24 दिसम्बर को

(स) 30 जनवरी को (द) 15 अप्रैल को (ब)

5. एगमार्क प्रमाणिक चिह्न है-

(अ) उत्पादित सामान का (ब) सोने-चांदी का

(स) खाद्य पदार्थ का (द) उत्पादित मशीन का (स)

6. उपभोक्ता के अधिकारों में सम्मिलित है-

(अ) प्रतिनिधित्व का अधिकार

(ब) क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार

(स) चुनने का अधिकार

(द) उपर्युक्त सभी (द)

7. वस्तुओं और सेवाओं के लिए मानक प्रदान करता है-

(अ) भारतीय मानक ब्यूरो (ब) एगमार्क

(स) उपभोक्ता इटंसेशनल (द) फुड सेफ्टी (अ)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. उपभोक्ता के किन्हीं दो अधिकारों के नाम लिखिए-

उत्तर- 1. सूचना पाने का अधिकार 2. चयन का अधिकार

2. भारत में उपभोक्ता को जागरूक बनाने हेतु चलाये जा रहे एक कार्यक्रम का नाम लिखिए-

उत्तर- 'जागो ग्राहक जागो'

3. RTI का पूरा नाम लिखिए-

उत्तर- राइट टू इन्फोरमेंशन या सूचना पाने का अधिकार

4. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम, 1986 का दूसरा नाम क्या है?

उत्तर- कोपरा (COPRA)

5. यदि व्यापारी द्वारा उपभोक्ता को कोई क्षति पहुँचाई गई है, तो किस उपभोक्ता अधिकार के अन्तर्गत वह नुकसान की भरपाई के लिए उपभोक्ता न्यायालय जा सकता है?

उत्तर- सुरक्षा का अधिकार

6. कोपरा के अंतर्गत उपभोक्ता विवादों के निपटारे कितने स्तरीय व कौनसे है?

उत्तर- त्रिस्तरीय न्यायिक तंत्र- जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर स्थापित किया गया।

7. राज्य स्तरीय प्राधिकरण, राज्य आयोग कितनी राशि (मुद्रा में) के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है-

उत्तर- एक करोड़ से 10 करोड़ तक

8. भारत में उपभोक्ता आंदोलन का जन्म सामाजिक बल के रूप में क्यों हुआ ?

उत्तर- अनैतिक और अनुचित व्यवसाय कार्यो से उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता के साथ हुआ। जैसे जमाखोरी, कालाबाजारी मिलावट इत्यादि।

शेखावाटी मिशन - 100

मॉडल प्रश्न - प्रत्र- 1

उच्च माध्यमिक परीक्षा-2026

शेखावाटी मिशन-100

विषय - सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड - अ

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) जर्मनी को एक स्वतंत्र राज्य घोषित किया गया-

(अ) 1817 में (ब) 1848 में
(स) 1871 में (द) 1811 में ( )

(ii) आयु के आधार पर नये जलोढ़ को किस नाम से जाना जाता है?

(अ) बांगर (ब) चौ
(स) तराई (द) खादर ( )

(iii) भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम कब लागू किया गया?

(अ) 1970 में (ब) 1971 में
(स) 1972 में (द) 1973 में ( )

(iv) कर्ज लेने के लिए कर्जदार निम्नलिखित में से किसका उपयोग गांरटी देने के लिए करता है-

(अ) चैक (ब) साख
(स) सार्थक ऋणाधार (द) करंसी नोट ( )

(v) किस क्षैत्र के उत्पादक कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते है?

(अ) तृतीयक (ब) प्राथमिक
(स) द्वितीयक (द) चतुर्थक ( )

(vi) देश का कितना प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री मार्गो द्वारा होता है?

(अ) 95 (ब) 96
(स) 93 (द) 94 ( )

(vii) बेल्जियम में अधिकांश लोग किस भाषा को बोलते है?

(अ) डच (ब) हिन्दी
(स) अंग्रेजी (द) फ्रेंच ( )

(viii) निम्नांकित में से संघ सूची का विषय नहीं है?

(अ) राष्ट्रीय सुरक्षा (ब) विदेशी मामले
(स) बैंकिंग (द) शिक्षा ( )

(ix) जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन जिस देश में पाया जाता है वह है-

(अ) इग्लैण्ड
(ब) भारत
(स) चीन
(द) रूस ( )

(x) निम्न में से किस देश में एकदलीय व्यवस्था है?

(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका
(ब) भारत
(स) चीन
(द) ग्रेट ब्रिटेन ( )

(xi) लोकतांत्रिक व्यवस्था आधारित होती है-

(अ) राजनीतिक समानता पर
(ब) राजनीतिक विषमता पर
(स) न्यायपूर्ण वितरण पर
(द) उपरोक्त सभी ( )

शेखावाटी मिशन - 100

(xii) विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है-

(अ) उदारीकरण (ब) निजीकरण

(स) राष्ट्रीयकरण (द) वैश्वीकरण ( )

(xiii) भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?

(अ) 5 अक्टूबर को (ब) 24 दिसम्बर को

(स) 30 जनवरी को (द) 15 अप्रैल को ( )

(xiv) भारत में किस राज्य में स्थायी वनों के अन्तर्गत सबसे अधिक क्षेत्र है?

(अ) राजस्थान (ब) पंजाब

(स) मध्यप्रदेश (द) हरियाणा ( )

(xv) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में किस संस्था की स्थापना की गई?

(अ) यूनिसेफ (ब),ý अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(स) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(द) यूनेस्को ( )

(xvi) निम्न में से नये युग का पहला प्रतीक कहा गया?

(अ) कपास (ब) ऊन

(स) रेश्म (द) जूट ( )

(xvii) गुर्टनबर्ग ने पहली पुस्तक कौनसी छापी?

(अ) कुरान (ब) बाइबिल

(स) त्रिपीटक (द) रामायण ( )

(xviii) 'संवाद कौमुदी' का प्रकाशन किसने शुरू किया?

(अ) विवेकानंद (ब) मार्टिन लूथर

(स) नौरोजी (द) ज्योतिबा फुले ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) वियना सम्मेलन की मेजबानी (1815) में......... ने की थी।

(ii) भारत में....... किस्म की कॉफी पैदा की जाती है।

(iii) .... को राष्ट्र का आर्थिक बैरोमीटर कहा जाता है।

(iv) .... अंतिम वस्तुओं व सेवाओं के निर्माण में इस्तेमाल की जाती है।

(v) .... में तीव्र उन्नति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया है।

(vi) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में .... सर्वाधिक सुरक्षित है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए)-

(i) राजस्थान के किस जिले में 5 गाँवों के लोगों ने 1200 हेक्टीयर वन भूमि भेरोदेव डाकव सैन्चुरी है।

(ii) वस्तु विनिमय प्रणाली से आप क्या समझते है?

(iii) लौह इस्पात में लौह अयस्क, कोकिंग कोल तथा चूना पत्थर का अनुपात है?

(iv) व्यापार सन्तुलन से आप क्या समझते है?

(v) यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ है?

(vi) शासन की किस व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है?

(vii) विदेशी निवेश किसे कहा जाता है?

(viii) RTI का पूरा नाम लिखिए-

(ix) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

(x) गीत गोविंद के रचियता का नाम बताइये?

(xi) सर्वप्रथम नारीवादी आन्दोलन की शुरूवात किस देश में हुई थी?

(xi) कितागावा उतामारो कौन था?

शेखावाटी मिशन-100

खण्ड - ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

(प्रश्न संख्या 4 से 13 के उत्तर 50 शब्दों में लिखिए, प्रत्येक प्रश्न का अंक 2 है।)

4. रूमानीवाद से आप क्या समझते है?

5. एजेंडा-21 क्या है, समझाइए-

6. गहन जीविका कृषि क्या है? इस कृषि की दो विशेषताएँ लिखिए।

7. शासन के विभिन्न अंगों के बीच किस प्रकार सत्ता का बंटवारा होता है? स्पष्ट कीजिए-

8. मानव विकास सूचकांक का महत्त्व बताइए-

9. खुली बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी के बीच विभेद कीजिए-

10. वैश्वीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताइएये।

11. विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के भारत पर क्या प्रभाव पड़े?

12. धर्म और राजनीति के सम्बंध में गाँधीजी के क्या विचार थे?

13. सार्वजनिक क्षेत्रक एवं निजी क्षेत्रक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - स

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-

(प्रश्न संख्या 14 से 17 के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए, प्रत्येक प्रश्न का अंक 3 है।)

14. वर्षा जल संग्रहण क्या है? वर्षा जल संग्रहण के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए-

अथवा

भारत में जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता क्यों है? स्पष्ट कीजिए-

15. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है? स्पष्ट कीजिए-

अथवा

स्वयं सहायता समूह क्या है? स्वयं सहायता समूहों की कार्यविधि को विस्तार से बताइए-

16. आदि-औद्योगीकरण की प्रक्रिया से आप क्या समझते है?

अथवा

ब्रिटेन में औद्योगीकरण से उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

17. संघीय व्यवस्था के गठन के तरीको को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

सत्ता के विकेन्द्रीकरण से क्या अभिप्राय है? विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच क्या है?

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न-

(प्रश्न संख्या 18 से 20 के उत्तर 250 शब्दों में लिखिए, प्रत्येक प्रश्न का अंक 4 है।)

18. रॉलेट एक्ट का सविस्तार वर्णन कीजिए-

अथवा

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गाँधी के योगदान का वर्णन कीजिए।

19. भारत में राजनीतिक दलों के सुधार हेतु चार सुझावों का वर्णन करें-

अथवा

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की विभिन्न भुमिकाओं की व्याख्या कीजिए।

20. प्रश्न का उत्तर दिये गये मानचित्रों में दीजिए-

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत अंकित कीजिए-

1. नेवेली 2. सिगरौली
3. बोकारो 4. तलचर

अथवा

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क क्षेत्र अंकित कीजिए-

1. बेलाडिला 2. गुआ
3. कुद्रेमुख 4. रत्नागिरी

शेखावाटी मिशन-100

मॉडल प्रश्न - प्रत्र- 2
उच्च माध्यमिक परीक्षा-2026
शेखावाटी मिशन-100
विषय - सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड - अ

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न का अंक 1)

(i) भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीकरण कब किया गया।

(अ) 1952 (ब) 1953

(स) 1951 (द) 1948 ( )

(ii) भारत में निम्न में से कौनसा दल राष्ट्रीय दल नहीं है?

(अ) भाजपा (ब) इडियन नेशनल कांग्रेस (स) बहुजन समाज पार्टी (द) शिवसेना ( )

(iii) श्रीलंका में गृहयुद्ध का अंत कब हुआ?

(अ) 1848 में (ब) 2004 में

(स) 2005 में (द) 2009 में ( )

(iv) विदेशी मामले किस सूची में संबंधित विषय है।

(अ) राज्य सूची (ब) संघ सूची

(स) समवर्ती सूची (द) कोई नहीं ( )

(v) धर्म को राष्ट्र का आधार मानने पर कौनसी समस्या शुरू होती है।

(अ) जातिवाद की

(ब) सम्प्रदायिकता की

(स) लैंगिक अराजकता की (द) क्षेत्रवाद की ( )

(vi) लोकतंत्र शासन की अन्य व्यवस्थाओं से बेहतर है क्योंकि यह -

(अ) नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।

(ब) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।

(स) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।

(द) ये सभी ( )

(vii) मानव विकास रिपोर्ट कौनसी संस्था जारी करती है-

(अ) विश्व बैंक (ब) एशियन डवलपमेंट बैंक

(स) यू.एन.डी.पी. (द) भारतीय रिजर्व बैंक ( )

(viii) ऋण की शर्तों में सम्मिलित है-

(अ) ब्याज दर का निर्धारण

(ब) समधिक ऋणाधार

(स) आवश्यक कागजात

(द) उपर्युक्त सभी ( )

(ix) वस्तुओं और सेवाओं के लिए मानक प्रदान करता है-

(अ) भारतीय मानक ब्यूरो

(ब) एगमार्क

(स) उपभोक्ता इंटसेशनल

(द) फुड सेफ्टी ( )

(x) 'जब फ्रांस छींकता है, तो यूरोप को सर्दी-जुकाम हो जाता है।' यह किसने कहा?

(अ) मेटिसनी (ब) मैटरनिख

(स) बिस्मार्क (द) गैरीबाल्डी ( )

(xi) फोर्ड मोटर्स कम्पनी किस देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है-

(अ) भारत (ब) चीन

(स) अमेरिका (द) द. कोरिया ( )

शेखावाटी मिशन - 100

(xii) 'रेगर' मृदा किस मृदा को कहते है?

(अ) लाल मृदा (ब) काली मृदा

(स) जलोढ़ मृदा (द) पीली मृदा ( )

(xiii) 'काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान' किस राज्य में स्थित है?

(अ) केरल (ब) गुजरात

(स) असम (द) मध्यप्रदेश ( )

(xiv) सीमेंट उद्योग का प्रमुख कच्चा माल क्या है?

(अ) चूना पत्थर (ब) लाल पत्थर

(स) बलुआ पत्थर (द) कोबाल्ट ( )

(xv) विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का सबसे बुरा असर पड़ा?

(अ) 1919 (ब) 1929

(स) 1935 (द) 1933 ( )

(xvi) स्पिनिंग जेनी का आविष्कार कब हुआ था?

(अ) 1763 (ब) 1863

(स) 1764 (द) 1864 ( )

(xvii) आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया?

(अ) मार्टिन लुथर (ब) गुटेनबर्ग

(स) कोलम्बस (द) दिदरो ( )

(xviii) वर्नाकूलर प्रेस एक्ट कब पारित हुआ?

(अ) 1872 (ब) 1874

(स) 1878 (द) 1890 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) रजिस्टर्ट पैकेट, किताबे अखबार व मैग्जीन .... श्रेणी की डाक समझी जाती है।

(ii) .... को सुनहरा रेशा कहा जाता है।

(iii) .... व्यवस्था में गलतियों को सुधारनें की गुजांइश होती है।

(iv) भारत में छिपी हुई बेरोजगारी सबसे अधिक .... क्षेत्र में पायी जाती है।

(v) यूनाइटेंट किंग्डम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन सन् .... में हुआ?

(vi) .... का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तौर-तरीकों को सरल बनाना है।

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न- (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए)

(i) स्वर्णिम चतुर्भुज महामार्ग/परियोजना से आप क्या समझते है?

(ii) सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ है?

(iii) जातिगत असमानता दूर करने के लिए दो सुझाव दीजिए।

(iv) प्रजातंत्र में निर्णय लेने में देरी क्यों होती है?

(v) मुद्रा क्या है?

(vi) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम, 1986 का दूसरा नाम क्या है?

(vii) वैश्वीकरण किसे कहते है?

(viii) 'प्रोजेक्ट टाईगर' वन्य जीव परियोजना कब प्रारम्भ की गई?

(ix) बॉक्साइट अयस्क से कौनसी धातु प्राप्त होती है?

(x) वीटो (निषेधाधिकार) किसे कहते है?

(xi) कैलिग्राफी क्या है?

(xii) आधुनिक प्रिंटिग प्रेस का आविष्कार किसने किया?

खण्ड- ब

लघुत्तरात्मक (प्रश्न संख्या 0 से 13 के उत्तर 50 शब्दों में लिखिए प्रत्येक प्रश्न का अंक-2) -

4. चावल की कृषि का वर्णन निम्न बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

(अ) जलवायु (ब) उत्पादक क्षेत्र

शेखावाटी मिशन - 100

5. बहुसंख्यवाद को बनाए रखने के लिए श्रीलंका की सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाये गए है?

6. आपके अनुसार साम्प्रदायिकता कैसे एक चुनौती है?

7. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

8. संगठित एंव असंगठित क्षेत्रक में कोई दो अन्तर बताइए ।

9. जर्मनी के एकीकरण को समझाइए ।

10. विकास के लिए धारणीयता (सतत् पोषणीय) महत्त्वपूर्ण क्यों है स्पष्ट कीजिए-

11. भारत में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

12. बांगर तथा खादर में अंतर स्पष्ट कीजिए।

13. आयात शुल्क क्या है?

खण्ड (स)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 14 से 17 के उत्तर 100 शब्दो में लिखिए प्रत्येक प्रश्न का अंक = 3)-

14. भारतीय संघीय व्यवस्था की समीक्षा कीजिए -

अथवा

संघवाद क्या है? संघवाद की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को बताइए।

15. स्वयं सहायता समूह क्या है? स्वयं सहायता समूहों की कार्यविधि को विस्तार से बताइए ।

अथवा

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए-

(i) वस्तु विनिमय के दोष

(ii) मुद्रा के कार्य

16. बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ तथा हानियों पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

यदि आप राजस्थान के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रो में निवास करते है तो वर्षा जल संग्रह किस प्रकार करेंगे ?

17. औद्योगिक क्रांति से मजदूरों पर क्या प्रभाव पड़ा?

अथाव

अमेरिका गृह युद्ध का भारतीय कपास के निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ा?

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)-

18. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का सविस्तार वर्णन कीजिए।

अथवा

असहयोग आन्दोलन के कारणों का विश्लेषण कीजिए

19. राजनीतिक दल क्या है? भारत में राजनीतिक दलो को सुधारने के लिए किए गये प्रयासो का वर्णन कीजिए

अथवा

राजनीतिक दलो के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियाँ है वर्णन करे।

20. निम्नलिखित आण्विक ऊर्जा संयत्रो को भारत के रेखा मानचित्र में अंकित कीजिए

(अ) तारापुर (ब) कलपक्कम

(स) रावतभाटा (द) नरोरा

अथवा

निम्नलिखित खनिज क्षेत्रो को भारत के रेखा मानचित्र में अंकित कीजिए

(अ) हजारीबाग (ब) गया

(स) गोआ

(द) उड़ीसा-झारखण्ड लौह अयस्क पेटी

शेखावाटी मिशन - 100